PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, शुक्रवार, 21 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

परीक्षा केंद्रों में मिली पेपर लीक गिरोह की हिस्सेदारी

लोकेश से एसटीएफ की पूछताछ में पता चला कि गिरोह से जुड़े आरोपियों के पास परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था, कंप्यूटर सिस्टम और निगरानी तंत्र की विस्तृत जानकारी थी। लोकेश के पास से 92 मॉडिफाइड टीएफटी स्क्रीन बरामद की गई थी।एसएससी समेत ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षाओं में हाईटेक तरीके से नकल कराने वाला गिरोह के तार परीक्षा केंद्रों से जुड़े होने का खुलासा हुआ है। 31 जुलाई को नोएडा एसटीएफ की ओर से गिरफ्तार किए गए आरोपी लोकेश से पूछताछ में सामने आया है कि नकल कराने वाला यह नेटवर्क सिर्फ अभ्यर्थियों को परीक्षा पास कराने तक सीमित नहीं था। गिरोह से जुड़े जालसाजों की परीक्षा केंद्रों में भी हिस्सेदारी थी। एसटीएफ के मुताबिक नेटवर्क से जुड़े आरोपी परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं और तकनीकी सिस्टम की जानकारी जुटाकर नकल कराते थे।

लोकेश से एसटीएफ की पूछताछ में पता चला कि गिरोह से जुड़े आरोपियों के पास परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था, कंप्यूटर सिस्टम और निगरानी तंत्र की विस्तृत जानकारी थी। लोकेश के पास से 92 मॉडिफाइड टीएफटी स्क्रीन बरामद की गई थी। एसटीएफ को पता चला है कि लोकेश वर्ष 2017 से इन स्क्रीन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को तैयार कर अलग-अलग राज्यों में सक्रिय नकल गिरोहों को उपलब्ध करा रहा था। अब तक की जांच में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र में नेटवर्क होने की जानकारी मिली है। एसटीएफ जांच में सामने आया है कि लोकेश खुद उपकरण तैयार करता था और जरूरत के मुताबिक नकल गिरोहों को सप्लाई करता था।एसटीएफ एसपी राजकुमार मिश्र ने बताया कि अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए गिरोहों की जरूरत अलग होती थी। इसी के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तैयार कर उपलब्ध कराए जाते थे। इससे लग रहा है कि यह कोई अस्थायी व्यवस्था नहीं बल्कि लंबे समय से चल रहा संगठित कारोबार था। अब एसटीएफ यह पता लगा रही है कि सात-आठ वर्षों में कितनी परीक्षाओं तक यह नेटवर्क पहुंचा और कितने अभ्यर्थियों ने इसका इस्तेमाल किया है। ऐसे में जांच की एक कड़ी परीक्षा केंद्रों से जुड़े लोगों और पूर्व कर्मचारियों तक भी पहुंची है।

न्यूयॉर्क कैपिटल-टाइम्स स्क्वायर उड़ाने की थी साजिश

अमेरिकी अधिकारियों ने न्यूयॉर्क कैपिटल को विस्फोट से उड़ाने की कथित इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) साजिश को नाकाम कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले में 35 वर्षीय धर्मांतरित महिला जेसिका बोवी को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने अल्बानी स्थित न्यूयॉर्क कैपिटल पर कथित बम हमले की साजिश को नाकाम करते हुए 35 वर्षीय जेसिका बोवी को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, वह आईएसआईएस के प्रति समर्थन जता चुकी थी, हमले के लिए सरकारी इमारतों की रेकी कर चुकी थी और विस्फोटक को भोजन पहुंचाने की सेवा के जरिए अंदर पहुंचाने की योजना बना रही थी। अधिकारियों ने बताया कि उसे एक निष्क्रिय विस्फोटक और नकली बंदूक दिए जाने के बाद न्यूयॉर्क कैपिटल के पास गिरफ्तार किया गया।बोवी को गुरुवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद विदेशी आतंकवादी संगठन को मदद पहुंचाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी की संघीय अदालत में पेश किया गया, जहां एक संघीय मजिस्ट्रेट ने उसे हिरासत में भेज दिया। उसके खिलाफ दायर शिकायत में संघीय जांच ब्यूरो ने कहा है कि करीब पांच साल पहले इस्लाम धर्म अपनाने के बाद बोवी ने 'कुनिया' यानी सम्मानसूचक इस्लामी नाम आयशा सैफ अपना लिया था। सामाजिक माध्यमों पर उसने 2001 में अल-कायदा के आतंकवादियों द्वारा किए गए 9/11 हमलों के समर्थन में पोस्ट किए थे।संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, बोवी ने कई अन्य अमेरिका विरोधी टिप्पणियां भी की थीं और आतंकवादी संगठनों के प्रति समर्थन जताया था। एक संघीय जांच ब्यूरो के मुखबिर ने उससे संपर्क किया। अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बातचीत के दौरान बोवी ने आतंकवादी हमला करने में रुचि दिखाई। उसने कथित तौर पर मुखबिर से कहा, 'काफिरों का दिमाग उड़ा देना खूबसूरत है।'शिकायत के मुताबिक, अपनी प्रतिबद्धता साबित करने के लिए बोवी ने 'विश्वासियों के कमांडर और मुसलमानों के खलीफा, मुजाहिद शेख अबू हाफा अल-हाशिमी अल-कुरैशी' के प्रति पारंपरिक इस्लामी निष्ठा की शपथ यानी 'बयाह' पूरी कर ली है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वह इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन का प्रमुख है।संघीय जांच ब्यूरो की शिकायत के अनुसार, बोवी ने अल्बानी में कई इमारतों की रेकी की। इनमें गवर्नर का कार्यालय

UP दुपट्टे से गला कसकर भतीजी को मारा

चाचा जयप्रकाश ने 17 वर्षीय भतीजी लता की आन की खातिर गला कसकर हत्या की। शव खेत में दफनाकर पैरों में कीलें ठोकीं ताकि वह चुड़ैल न बने। आरोपी जेल भेजा गया। यूपी के बरेली जिले के अलीगंज थाना क्षेत्र के हाफिजगंज गौटिया गांव निवासी छात्रा की आन की खातिर हत्या के आरोपी चाचा को जेल भेज दिया गया। पैर में ठोंकी गई कीलों को भी जांच के लिए सुरक्षित किया गया है। जेल जाते वक्त चाचा ने बताया कि मौत के बाद दोनों पैरों में कीलें इसलिए ठोंकी गईं, ताकि वह भविष्य में चुड़ैल बनकर किसी को परेशान न करे।17 वर्षीय हाईस्कूल की छात्रा की हत्या के मामले में पांचवें दिन कार्रवाई हो सकी। छात्रा के दादा नत्थूलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 28 जुलाई की सुबह नौ बजे उनका छोटा बेटा जयप्रकाश, उनके बड़े बेटे प्रेमपाल की 17 वर्षीय पुत्री लता के साथ मिर्च के खेत पर काम करने गया था। शाम तक जयप्रकाश घर लौट आया, लेकिन लता नहीं आई। पूछने पर जयप्रकाश ने कहा कि लता का पड़ोस के युवक से प्रेम प्रसंग था। वह उसी के साथ चली गई है। लोकलाज के डर से वह लोग चुप उसकी तलाश करते रहे। 18 अगस्त को पुलिस ने अनिरुद्धपुर गौटिया स्थित खेत की खोदाई कराकर जमीन के नीचे दबा लता का शव बरामद कर लिया। इसके बाद खुलासा हुआ कि जयप्रकाश ने ही अपनी भतीजी की हत्या कर शव को खेत में दफना दिया था।

दो हफ्ते में परमाणु बम बना लेता ईरान

'दो हफ्ते में परमाणु बम बना लेता ईरान': ट्रंप का तेहरान हमलों पर बड़ा दावा, होर्मुज पर कब्जे को लेकर क्या कहा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान का बचाव करते हुए कहा कि तेहरान की परमाणु क्षमता को रोकना अमेरिका की प्राथमिकता है। उन्होंने रणनीतिक जलमार्गों पर अमेरिकी प्रभाव बढ़ने का दावा किया और कहा कि ईरान की सैन्य क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचा है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान से जुड़े रणनीतिक जलमार्गों पर "लगभग नियंत्रण" कर रहा है और जल्द ही वहां पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।ट्रंप ने कहा, ''जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा।'' ट्रंप ने अपने पूर्व निजी वकील माइकल कोहेन के साथ एक साक्षात्कार में ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने यह भी माना कि इस संघर्ष के कारण अमेरिकी लोगों को पेट्रोल और ऊर्जा की अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।ट्रंप ने कहा, ''जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा।'' ट्रंप ने अपने पूर्व निजी वकील माइकल कोहेन के साथ एक साक्षात्कार में ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने यह भी माना कि इस संघर्ष के कारण अमेरिकी लोगों को पेट्रोल और ऊर्जा की अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।77 डब्ल्यूएबीसी रेडियो पर प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, ''अब ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। हम जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कर रहे हैं और जल्द ही पूरा नियंत्रण कर लेंगे। हम ईरान के साथ बहुत अच्छा कर रहे हैं।'' बुधवार को जारी साक्षात्कार के इस हिस्से में ट्रंप ने जलमार्गों का नाम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना और नेतृत्व को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे बातचीत के जरिए समझौता करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने कहा, ''समस्या का एक हिस्सा यह है कि बहुत से नेता चले गए हैं। समझौता करना आसान नहीं है। कोई नहीं जानता कि नेतृत्व कौन कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिकी उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, ''और मैं उनसे कहता हूं कि आपकी ऊर्जा की लागत थोड़ी अधिक होगी, पेट्रोल की कीमत भी थोड़ी अधिक होगी। लेकिन हमें मध्य पूर्व का सफर तय करना होगा, क्योंकि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकते।''उन्होंने दावा किया कि ईरान को सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह कर दिया गया है और उसकी मिसाइलों तथा ड्रोन बनाने की क्षमता काफी कम हो गई है। उन्होंने बढ़ती महंगाई, कमजोर मुद्रा और सैन्यकर्मियों को वेतन नहीं मिलने का भी जिक्र

अमेरिका के अलास्का में चार्टर विमान दुर्घटनाग्रस्त

अमेरिका के अलास्का में एक चार्टर विमान हादसे का शिकार हो गया है। एक संघीय अधिकारी ने बताया कि विमान पश्चिमी अलास्का के रिमोट इलाके में रडार से गायब हो गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड, अलास्का के क्षेत्रीय प्रमुख क्लिंट जॉनसन ने बताया कि विमान में दो पायलट और छह यात्री सवार थे। हादसे से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अधिकारियों ने बताया कि चार्टर विमान ने एंकरेज इलाके से उड़ान भरी थी और गुरुवार दोपहर में वह केप न्यूनहैम इलाके में रडार से गायब हो गया। फिलहाल अलास्का का राहत और बचाव दल विमान की तलाश में जुटा है। फिलहाल विमान और उसमें सवार लोगों के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है।

अमेरिका के अलास्का में एक चार्टर विमान हादसे का शिकार हो गया है। एक संघीय अधिकारी ने बताया कि विमान पश्चिमी अलास्का के रिमोट इलाके में रडार से गायब हो गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड, अलास्का के क्षेत्रीय प्रमुख क्लिंट जॉनसन ने बताया कि विमान में दो पायलट और छह यात्री सवार थे। हादसे से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अधिकारियों ने बताया कि चार्टर विमान ने एंकरेज इलाके से उड़ान भरी थी और गुरुवार दोपहर में वह केप न्यूनहैम इलाके में रडार से गायब हो गया। फिलहाल अलास्का का राहत और बचाव दल विमान की तलाश में जुटा है। फिलहाल विमान और उसमें सवार लोगों के बारे में कुछ पता नहीं चल

एक महीने में दूसरी बार उत्तर बंगाल पहुंचे अमित शाह एक महीने में दूसरी बार उत्तर बंगाल पहुंचे अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिन के दौरे पर उत्तर बंगाल पहुंचे हैं। सिलीगुड़ी गलियारे और नेपाल, भूटान व बांग्लादेश से लगी सीमाओं की सुरक्षा समीक्षा इस दौरे के केंद्र में है। घुसपैठ के साथ तस्करी, हथियार, मादक पदार्थ और सीमा पार अपराध रोकने के लिए तकनीकी निगरानी और एजेंसियों के समन्वय पर जोर है।अरुणाचल प्रदेश के तावित्तंग से लेकर सिलीगुड़ी तक पूर्वी भारत की सुरक्षा परिदृश्य में कई परतें हैं। इसी संवेदनशील भूगोल के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को करीब एक महीने में दूसरी बार उत्तर बंगाल पहुंचे। तीन दिन के इस दौरे में सीमा सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय बैठकें, सीमावर्ती इलाकों की समीक्षा और सशस्त्र सीमा बल के जवानों से संवाद होना है। नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से लगी सीमाओं के साथ-साथ सिलीगुड़ी गलियारा केंद्र के सुरक्षा एजेंडे के केंद्र में है। बागडोगरा पहुंचने के बाद अमित शाह सुकना के लिए रवाना हुए। 21 अगस्त को सशस्त्र सीमा बल के सीमांत मुख्यालय में सीमा सुरक्षा परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम होंगे। 22 अगस्त को विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा प्रस्तावित है।सिलीगुड़ी गलियारा देश के बाकी हिस्से को पूर्वोत्तर से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण स्थलीय कड़ी है। इसके आसपास नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की सीमाएं हैं। यही वजह है कि यहां सुरक्षा में किसी बड़ी चूक का असर केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूर्वोत्तर की सैन्य, नागरिक और आर्थिक संपर्क व्यवस्था तक पहुंच सकता है।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, पूर्वी सीमा पर केंद्र का फोकस अब बहुस्तरीय सुरक्षा पर है। इसका उद्देश्य अवैध घुसपैठ के साथ तस्करी, हथियार और मादक पदार्थों की आवाजाही, मानव तस्करी, सीमा पार अपराध तथा संवेदनशील इलाकों में किसी भी असामान्य गतिविधि का शुरुआती स्तर पर पता लगाना है।रणनीति में सीमा बाड़ के साथ सड़क और सीमा चौकियां, तकनीकी निगरानी, खुफिया सूचनाओं का साझा इस्तेमाल और केंद्र-राज्य एजेंसियों के बीच तत्काल समन्वय शामिल है। गृह मंत्रालय की सीमा प्रबंधन नीति में भी बाड़, सड़क, सीमा चौकियों और तकनीकी प्रणालियों को एकीकृत सुरक्षा ढांचे का हिस्सा बनाया गया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिन के दौरे पर उत्तर बंगाल पहुंचे हैं। सिलीगुड़ी गलियारे और नेपाल, भूटान व बांग्लादेश से लगी सीमाओं की सुरक्षा समीक्षा इस दौरे के केंद्र में है। घुसपैठ के साथ तस्करी, हथियार, मादक पदार्थ और सीमा पार अपराध रोकने के लिए तकनीकी निगरानी और एजेंसियों के समन्वय पर जोर है। अरुणाचल प्रदेश के तावित्तंग से लेकर सिलीगुड़ी तक पूर्वी भारत की सुरक्षा परिदृश्य में कई परतें हैं। इसी संवेदनशील भूगोल के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को करीब एक महीने में दूसरी बार उत्तर बंगाल पहुंचे। तीन दिन के इस दौरे में सीमा सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय बैठकें, सीमावर्ती इलाकों की समीक्षा और सशस्त्र सीमा बल के जवानों से संवाद होना है। नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से लगी सीमाओं के साथ-साथ सिलीगुड़ी गलियारा केंद्र के सुरक्षा एजेंडे के केंद्र में है। बागडोगरा पहुंचने के बाद अमित शाह सुकना के लिए रवाना हुए। 21 अगस्त को सशस्त्र सीमा बल के

सीएम योगी बोले- सर्वोदय विद्यालयों के बेहतर संचालन के लिए बड़े बदलाव बेहद जरूरी, भरे जाएंगे शिक्षकों के पद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वोदय विद्यालयों में शिक्षकों के खाली पद भरने और विद्यार्थियों की शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा। बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में व्यवस्थित संचालन में बड़े बदलाव की जरूरत बताई है। बृहस्पतिवार को समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में सीएम ने विद्यालयों से जुड़ी स्पष्ट नियमावली तैयार करने, शिक्षकों के खाली पदों पर चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाने और आवासीय विद्यालयों का प्रबंधन और संचालन ज्यादा व्यवस्थित ढंग से करने के लिए सोसाइटी के गठन के निर्देश दिए।बैठक में बताया गया कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में 93 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयसंचालित थे, जबकि वर्ष 2025-26 तक इनकी संख्या बढ़कर 103 हो गई है। इनमें 59 विद्यालय सीबीएसई और 44 विद्यालय यूपी बोर्ड से संबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों के खाली पद भरने और विद्यार्थियों की शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा। बैठक में विभाग के मंत्री असीम अरुण भी मौजूद रहे। अभ्युदय योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और योजना की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि योजना 163 केंद्रों के माध्यम से संचालित है। इन केंद्रों पर 1783 इम्पैनल्ड शिक्षक हैं। यूपीएससी, पीसीएस नीट, जेईई, एनडीए/सीडीएस सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 23801 विद्यार्थी पंजीकृत हैं।वंचित विद्यार्थियों को तत्काल छात्रवृत्तिसीएम ने कहा कि छात्रवृत्ति का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय से मिलना , चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति से वंचित विद्यार्थियों के लिए आवेदन पोर्टल तत्काल खोला जाए और हर हाल में दो अक्टूबर तक छात्रवृत्ति की धनराशि अंतरित कर दी जाए। वृद्धावस्था पेंशन के लिए आवेदन के सत्यापन में न हो देरी : सीएम ने वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र वंचित वृद्धों के आवेदन का सत्यापन कराते हुए उन्हें पेंशन का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृद्धों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े और आवेदन के सत्यापन से लेकर पेंशन स्वीकृति तक की प्रक्रिया समयबद्ध हो।

अब दिल्ली भी होगी वर्टिकल, आसमान की ओर बढ़ेगा ऐतिहासिक शहर,

जमीन की कमी और बढ़ती आबादी के बीच दिल्ली के विकास का तरीका बदलने जा रहा है। अब शहर का विस्तार जमीन पर होने की जगह ऊंचाई में होगा। मास्टर प्लान-2047 में हाइराइज इमारतों को बढ़ावा देने की योजना है।जमीन की कमी और बढ़ती आबादी के बीच दिल्ली के विकास का तरीका बदलने जा रहा है। अब शहर का विस्तार जमीन पर होने की जगह ऊंचाई में होगा। मास्टर प्लान-2047 में हाइराइज इमारतों को बढ़ावा देने की योजना है। इससे आने वाले समय में दिल्ली की पहचान कम ऊंची इमारतों वाले शहर से बदलकर गगनचुंबी इमारतों वाले शहर के रूप में हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि लुटियंस बंगला जोन, एयरपोर्ट और सघन बसावट वाले क्षेत्रों को छोड़कर बाकी जगहों पर कितनी भी ऊंचाई की इमारत बनाई जा सकती है। तय एफएआर और मौके पर जरूरी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ ऊंचाई की सीमा तय करने वाले प्रावधान का इस मास्टर प्लान में खत्म कर दिया गया है।अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 के आसपास शहर के इस तरह के विस्तार का खाका भी पेश किया गया है। योजना जमीन पर उतरने से यह पहला इलाका बन सकता है, जहां इस मॉडल पर विकास होगा। अलीपुर से शुरू होकर बवाना, रोहिणी, नजफगढ़ और द्वारका होते हुए महिपालपुर तक जाने वाली इस सड़क के दोनों तरफ करीब 250 मीटर के क्षेत्र में हाई डेंसिटी कॉरिडोर विकसित होंगे। इस कॉरिडोर के आसपास आने वाले समय में कम जमीन पर ज्यादा आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

फैलाव की जगह ऊंचाई पर विकास

दिल्ली में जमीन सीमित है, जबकि 2047 की अनुमानित 3.2 करोड़ की आबादी और आवास की जरूरत को देखते हुए मास्टर प्लान में शहर को ऊंचाई में बढ़ाने का योजना है। जमीन घेरकर शहर को फैलाने के बजाय ऊंची इमारतों के जरिये ज्यादा लोगों के रहने और काम करने की व्यवस्था करने पर जोर दिया जा रहा है। इससे खाली जमीन, सड़क और दूसरी सार्वजनिक सुविधाओं के लिए जगह बचाने में भी मदद मिल सकती है।आधी जमीन सार्वजनिक सुविधाओं के लिएहाईराइज विकास 100 मंजिल से ऊपर हो सकता है। इसके लिए जमीन मालिकों को भी योजना में प्रोत्साहन दिया गया है। बड़े भूखंड का एक हिस्सा सड़क, पार्क और दूसरी सार्वजनिक सुविधाओं के लिए देने के बदले बची जमीन पर अधिक निर्माण की अनुमति देने का प्रावधान है। जमीन का कुछ हिस्सा सार्वजनिक इस्तेमाल में जाएगा और बाकी हिस्से में ऊंची इमारतें विकसित की जा सकेंगी।हर इमारत में छोटे घर भीऊंची इमारतों में केवल महंगे फ्लैट न बनें, इसका भी ध्यान रखा गया है। योजना में हाईराइज परियोजनाओं के कुल फ्लोर एरिया का 20 फीसदी हिस्सा छोटे आवासों के लिए रखने का प्रावधान है। इन घरों का कारपेट एरिया 60 वर्गमीटर से कम होगा। इससे कम और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए भी आवास उपलब्ध कराने की कोशिश होगी।मेट्रो से जुड़ेगा हाईराइज विकासहाईराइज इमारतों को मेट्रो से जोड़ने पर भी जोर दिया गया है। इसके लिए स्काईवॉक, पैदल मार्ग या भूमिगत रास्ते बनाए जा सकते हैं। इसका उद्देश्य लोगों को निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।कितनी ऊंची होंगी इमारतें, तय नहींयोजना में हाईराइज इमारतों की अधिकतम ऊंचाई की कोई एक सीमा तय नहीं की गई है। इमारत की ऊंचाई एयरपोर्ट अथॉरिटी, दमकल विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की मंजूरी पर निर्भर करेगी। साथ ही परियोजनाओं में हरियाली और पार्किंग की व्यवस्था जरूरी होगी। कम से कम 15 फीसदी क्षेत्र में हरियाली रखने का प्रावधान है।

दिल्ली में दो करोड़ की चोरी: कार में रखे गहने-हीरे से भरे तीन बैग उड़ाए जयपुर के ज्वेलर को निशाना बनाया

करोल बाग इलाके में कार की पिछली खिड़की तोड़कर करीब दो करोड़ रुपये के गहने और हीरे चोरी होने का मामला सामने आया है। वारदात 19 अगस्त को बीकानेर चौक के पास हुई।राजधानी दिल्ली के करोल बाग इलाके से एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है, एक कार की पिछली खिड़की तोड़कर लगभग दो करोड़ रुपये के गहने और हीरे ले जाए गए। यह वारदात 19 अगस्त को बीकानेर चौक के पास हुई। घटना की सूचना मिलते ही करोल बाग थाना पुलिस हरकत में आ गई और मौके पर क्राइम टीम, स्पेशल स्टाफ व एएटीएस की टीमों के साथ मिलकर जांच शुरू कर दी है।मध्य जिला पुलिस उपायुक्त रोहित राजवीर सिंह ने बताया कि 19 अगस्त को बीकानेर चौक के पास खड़ी एक कार की पिछली खिड़की तोड़कर तीन बैग चोरी करने की जानकारी मिली थी। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद शिकायतकर्ता से पूछताछ की गई। शिकायतकर्ता जयपुर का एक ज्वेलर बताया जा रहा है,अपने कारोबार के सिलसिले में दिल्ली आया हुआ था। उसके अनुसार, चोरी हुए बैगों में गहने और हीरे रखे थे, जिनकी कुल कीमत लगभग दो करोड़ रुपये आंकी गई है। घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इस जांच में स्पेशल स्टाफ और वाहन चोरी निरोधक शाखा की टीमों को सफलता मिली। फुटेज में हेलमेट पहने बाइक सवार दो संदिग्ध दिखाई दिएपुलिस ने इन संदिग्धों की पहचान के लिए आगे की जांच की और बाइक के मालिक का पता लगाया। प्रारंभिक जांच के आधार पर, पुलिस ने बाइक मालिक और उसके दो भाइयों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

पीएम मोदी कर सकते हैं बदरीनाथ में आधुनिक अस्पताल का उद्घाटन

बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं को जल्द अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की सौगात मिलेगी। मास्टर प्लान के तहत तैयार हो रहे चार मंजिला अस्पताल में गंभीर मरीजों के इलाज से लेकर ऑपरेशन तक की सुविधाएं उपलब्ध होंगीबदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बनाए जा रहे 45 बेड के आधुनिक अस्पताल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। बदरीनाथ मास्टर प्लान के तहत चार मंजिला अस्पताल भवन का निर्माण किया जा रहा है। अस्पताल को सब जिला अस्पताल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अस्पताल में मशीनों की स्थापना का कार्य भी तेजी से चल रहा है।जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कार्यदायी संस्था को आगामी 31 अगस्त तक अस्पताल भवन का निर्माण हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अस्पताल भवन में मरीजों और तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट की व्यवस्था भी की गई है। आधुनिक चिकित्सा उपकरण अस्पताल में पहुंच चुके हैं और उनके इंस्टॉलेशन का काम जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बदरीनाथ धाम पहुंचने का कार्यक्रम प्रस्तावितबताया जा रहा है कि अक्तूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बदरीनाथ धाम पहुंचने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। संभावित दौरे को देखते हुए शासन-प्रशासन से लेकर पीएमओ स्तर तक तैयारियां की जा रही हैं और इसी दौरान अस्पताल का उद्घाटन किए जाने की संभावना है। हालांकि जिलाधिकारी गौरव कुमार ने स्पष्टकिया कि प्रधानमंत्री के बदरीनाथ दौरे को लेकर अभी तक आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इधर, सीएमओ डॉ. राजीव पाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी अक्तूबर माह में बदरीनाथ धाम के संभावित दौरे को लेकर अस्पताल भवन का निर्माण व आधुनिक मशीनों को स्थापित करने का काम किया जा रहा है। जल्द ही अस्पताल का संचालन शुरू हो जाएगा। बदरीनाथ धाम में चारधाम यात्रा के दौरान हर वर्ष लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्र होने के कारण यहां कई यात्रियों को सांस लेने में परेशानी, ऑक्सीजन की कमी समेत अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गंभीर स्थिति में मरीजों को बेहतर उपचार के लिए निचले क्षेत्रों में रेफर करना पड़ता था। आधुनिक अस्पताल शुरू होने के बाद श्रद्धालुओं को बदरीनाथ धाम में ही बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

चंपत राय के पत्र पर नृपेंद्र मिश्रा बोले- मैंने पत्र नहीं देखा

राम मंदिर निर्माण को लेकर जारी किए गए चंपत राय के पत्र पर नृपेंद्र मिश्रा ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। वहीं, उन्होंने कहा कि निर्माण के लिए जरूरी 70 में से 60 काम पूरे कर दिए गए हैं। राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक के दूसरे दिन समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनना करोड़ों श्रद्धालुओं के सपने के साकार होने जैसा है।नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर निर्माण में केंद्र या राज्य सरकार का पैसा नहीं लगा है। मंदिर और परिसर के निर्माण का कार्य ट्रस्ट द्वारा एकत्रित धनराशि से कराया गया है। निर्माण के लिए तय किए गए करीब 70 कार्यों में से लगभग 60 कार्य पूरे हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिन निर्माण कार्यों को पूरा कर लिया गया है, उन्हें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपा जा चुका है। अब इन निर्माणों के रखरखाव की जिम्मेदारी ट्रस्ट की होगी।मंदिर परिसर में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए सीवेज और ड्रेनेज व्यवस्था को मुख्य नाले से जोड़ने की योजना पर काम किया जाएगा। इसका उद्देश्य बारिश के पानी की निकासी को बेहतर बनाना है। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि अब रामकथा संग्रहालय, ऑडिटोरियम और ट्रस्ट कार्यालय के निर्माण कार्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संग्रहालय की गैलरी नंबर-7 के निर्माण पर करीब पांच करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। संग्रहालय में प्रवेश शुल्क लिया जाएगा या नहीं, इसका अंतिम निर्णय ट्रस्ट करेगा।चंपत राय के पत्र में अपना नाम होने को लेकर पूछे गए सवाल पर नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि उन्होंने वह पत्र देखा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर विवाद पैदा करने की कोशिश की जा रही है।राम मंदिर के सीईओ की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार को लेकर पूछे गए सवाल पर नृपेंद्र मिश्रा ने स्पष्ट किया कि वह इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हैं और उन्हें इसकी जानकारी नहीं है

जन्माष्टमी 2026:मथुरा-वृंदावन में होटल हुए बुक,बांके बिहारी के ऐसे होंगे दर्शन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पहले वृंदावन में होटल, गेस्ट हाउस और आश्रमों की एडवांस बुकिंग तेज हो गई है और कई प्रमुख होटल फुल होने लगे हैं। बांकेबिहारी मंदिर की मंगला आरती में इस बार केवल 600 श्रद्धालुओं को प्रवेश मिलेगा, जबकि होटल बुकिंग से आरती में प्रवेश की गारंटी नहीं होगी

।मथुरा और वृंदावन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। जन्माष्टमी पर ठाकुर श्रीबांकेबिहारी के दर्शन और मंगला आरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं ने वृंदावन में ठहरने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर के कई होटल, गेस्ट हाउस और आश्रमों में अग्रिम बुकिंग कराई जा रही हैं जबकि कई प्रमुख होटलों में कमरे फुल हो चुके हैं। इधर निर्धारित व्यवस्था के तहत केवल 600 श्रद्धालुओं को ही मंगला आरती में प्रवेश दिया जाएगा।जन्माष्टमी पर देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के वृंदावन पहुंचने की संभावना है। होटल संचालकों के अनुसान उनके पास लगातार बुकिंग के लिए फोन आ रहे हैं। श्रद्धालुओं की पहली प्राथमिकता मंदिर के आसपास ठहरने की रहती है, जिससे उन्हें दर्शन के लिए आसानी हो सके। जन्माष्टमी की रात के बाद सुबह होने वाली मंगला आरती को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। दूर-दराज से आने वाले भक्त कई दिन पहले वृंदावन पहुंचकर आरती में शामिल होने की तैयारी करते हैं। इसी के चलते मंदिर क्षेत्र के आसपास स्थित होटल और आश्रमों में कमरों की मांग बढ़ गई है। हालांकि मंगला आरती में प्रवेश को लेकर हाईपावर्ड कमेटी पहले ही स्थिति स्पष्ट कर चुकी है। ऐसे में होटल की बुकिंग होने मात्र से मंगला आरती में प्रवेश सुनिश्चित होगा यह अभी नहीं कहा जा सकता। 20 अगस्त 2022 को श्रीबांकेबिहारी मंदिर में मंगला आरती के दौरान बड़ा हादसा हो गया था। मंदिर परिसर में मची भगदड़ के दौरान भीड़ के बीच फंसने व घुटन के चलते दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी जबकि 6 घायल हो गए। इस हादसे के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक सुलखान सिंह के नेतृत्व में जांच समिति गठित की थी। इसके बाद मंदिर में मंगला आरती में शामिल होने वालों की संख्या को सीमित कर दिया गया।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार नजदीक आते ही जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को इस बार कान्हा की नगरी में अलौकिक नजारा देखने को मिलेगा। मोरपंखी रोशनी से जगमगाते पुल और डिवाइडर जहां हर किसी का मन मोह लेंगे, वहीं सड़कों के किनारे बनी बाउंड्रीवॉल पर उकेरी गई सुंदर चित्रकारी ब्रज संस्कृति की अनुपम झलक पेश करेगी। बीते वर्ष जन्माष्टमी पर जहां लगभग 40 लाख और रक्षाबंधन पर 10 लाख पर्यटक और श्रद्धालु मथुरा पहुंचे थे, वहीं इस बार 10 से 15 लाख अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम और विद्युत विभाग करीब 1.45 करोड़ रुपये का बजट खर्च कर रहा है।1.25 करोड़ रुपये से नगर निगम सड़कों की मरम्मत और 22 प्रमुख चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण करवा रहा है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने बताया कि शहर को पिंक, पर्पल और ग्रीन (मोरपंखी) की खास तीन-रंगी थीम पर सजाया जा रहा है। 11 अगस्त से वॉल पेंटिंग का काम शुरू हो चुका है और एक सितंबर तक पूरी नगरी सजकर तैयार हो जाएगी।

'ईरान पर होगी सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई': ट्रंप ने दी धमकी, मदद करने वाले देशों को चेताया; क्या बढ़ेगा तनाव?

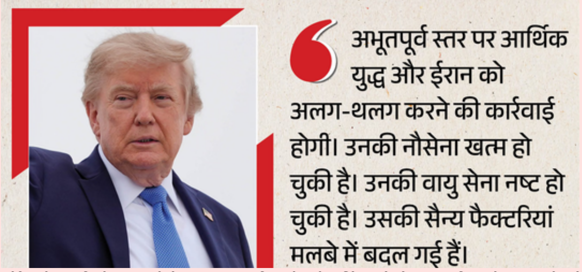

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर अब तक की सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई का एलान किया और मदद करने वाले देशों को भी अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। ईरान को अलग-थलग करने के इस अभियान का असर भारत और दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त आर्थिक कार्रवाई की धमकी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को अमेरिका के साथ समझौता करने का सबसे बड़ा मौका दिया गया था। लेकिन उसने इसे गंवा दिया। ट्रंप ने कहा, इस्लामी गणराज्य ईरान को किसी समझौते के लिए मुझसे ज्यादा बड़ा मौका किसी ने नहीं दिया। दुख की बात है कि उन्होंने इस मौके का फायदा नहीं उठाया। इसलिए आज मैं किसी भी देश के खिलाफ अब तक की सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई की घोषणा कर रहा हूं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है। उसकी वायु सेना नष्ट हो चुकी है। उसकी सैन्य फैक्टरियां मलबे में बदल गई हैं। ईरान की मुद्रा बेकार हो गई है और देश बेहद कमजोर स्थिति में है।

ईरान की मदद करने वाले देशों पर भी कार्रवाई?

ट्रंप ने कहा कि जो भी देश ईरान को किसी भी तरह की आर्थिक मदद देगा, उसे भी बड़े आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। इसमें वित्तीय संस्थान, कारोबार, हवाई अड्डे और सरकारी संस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने तेल की तस्करी, स्वैप लाइन, नकद लेनदेन, एक्सचेंज हाउस, जहाजों के पंजीकरण और ईरान की मदद करने वाली छिपी हुई (शेल) कंपनियों को तुरंत रोकने की बात कही।

सहयोगी देशों से अमेरिका के साथ आने की अपील

ट्रंप ने इसे ईरान के खिलाफ बड़े आर्थिक हमले का दिन बताया। उन्होंने अमेरिका के सहयोगी देशों से ईरान को अलग-थलग करने और उसके खतरे को खत्म करने में साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईरान इस समय बेहद कमजोर स्थिति में है। उन्होंने दावा किया कि ये ऐतिहासिक कदम ईरान को और दुनियाभर में आतंक फैलाने की उसकी क्षमता को बुरी तरह कमजोर कर देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा।

अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाया

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने पिछले हफ्ते इसी तरह बयान दिया था। बेसेंट ने कहा था कि अमेरिका ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिशें बढ़ाएगा। इस रणनीति में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी भी शामिल है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय 'ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी' नाम से प्रतिबंध अभियान भी चला रहा है। इसका मकसद लक्षित कार्रवाई के जरिये ईरान के पैसे जुटाने के स्रोतों को बंद करना है।

ईरान के खिलाफ युद्ध कब शुरू हुआ?

युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों के साथ हुई। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए।

कौन-कौन से देश ईरान के साथ?

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने ईरान को सैन्य उपकरण और ड्रोन से जुड़ी तकनीक दी है। वहीं, चीन लगातार ईरान से तेल खरीद रहा है। चीन ने ईरान के साथ कारोबारी रिश्ते बनाए रखे हैं और उसे कूटनीतिक समर्थन भी दिया है। पाकिस्तान ने कूटनीति और बातचीत शुरू कराने की कोशिशों के जरिये ईरान का समर्थन किया है। हालांकि, उसने ईरान को सैन्य मदद नहीं दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान को उसके सहयोगी हथियारबंद समूहों का भी समर्थन हासिल है। इनमें यमन के हूती और इराक में ईरान के साथ जुड़े लड़ाके शामिल हैं। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि अमेरिका के पास ईरान के खिलाफ 'बहुत कड़े प्रतिबंध' लगाने के विकल्प मौजूद हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ट्रंप ने दावा किया, अभी जलडमरूमध्य खुला है। बहुत सारी नावें वहां से गुजर रही हैं।

भारत पर क्या होगा असर?

भारत पर इसका असर तेल और गैस की कीमतों, नौवहन और महंगाई के रूप में पड़ सकता है, क्योंकि होर्मुज में तनाव बढ़ने से भारत की ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। साथ ही ईरान पर अमेरिकी दबाव बढ़ने से भारत के चाबहार बंदरगाह से जुड़ी योजनाओं पर भी असर पड़ने का खतरा है। चाबहार भारत के लिए ईरान के रास्ते अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच का अहम रास्ता है, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंध और मौजूदा संघर्ष पहले ही इसके कामकाज पर दबाव डाल रहे हैं।

बांग्लादेश में 35 साल बाद राष्ट्रपति चुनाव आज: किसका किससे है मुकाबला, कौन दौड़ में सबसे आगे? जानिए समीकरण

बांग्लादेश में 35 साल बाद आज राष्ट्रपति चुनाव होगा। बीएनपी के मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर और कई दलों के गठबंधन की ओर से सेवानिवृत्त कर्नल ओली अहमद के बीच मुकाबला होगा। किसका पलड़ा भारी माना जा रहा है? बांग्लादेश में आज नए राष्ट्रपति का चुनाव होने वाला है। सत्तारूढ़ बीएनपी के बड़े नेता मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर इस चुनाव में सबसे आगे माने जा रहे हैं। यह बांग्लादेश में 35 साल बाद पहला राष्ट्रपति चुनाव है, जिसमें मुकाबला हो रहा है। सांसदों के सामने आलमगीर और सेवानिवृत्त कर्नल ओली अहमद के बीच चुनाव होगा। ओली अहमद 11 दलों के विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, मतदान संसद यानी जातीय संसद में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। आलमगीर (78 वर्षीय) सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार हैं। वहीं, अहमद (84 वर्षीय)लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष हैं। वह जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने 16 अगस्त को दोनों उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों को सही मानते हुए मंजूर कर लिया था।

बांग्लादेश में 1991 के बाद यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है, जिसमें उम्मीदवारों के बीच मुकाबला हो रहा है। पिछले कई दशकों में राष्ट्रपति का चुनाव आमतौर पर आपसी सहमति से या बिना मुकाबले के होता रहा है।

आलमगीर ने सांसदों से वोट देने की अपील की

बीएनपी की संसदीय दल की बैठक में बुधवार को आलमगीर ने पार्टी के सांसदों से राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर मैंने कोई गलती की है या अनजाने में किसी को दुख पहुंचाया है, तो मैं माफी मांगता हूं।'आलमगीर बीएनपी में संयुक्त महासचिव, कार्यवाहक महासचिव और महासचिव जैसे पदों पर रह चुके हैं। बैठक में मौजूद कई सांसदों ने बताया कि वरिष्ठ नेता भावुक हो गए और कई बार उनकी आंखों से आंसू निकल आए। आलमगीर ने वादा किया कि वह देश की आजादी और संप्रभुता से कभी समझौता नहीं करेंगे।

कब शपथ लेंगे नए राष्ट्रपति?

डेली स्टार अखबार ने संसद सचिवालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले उम्मीदवार शुक्रवार शाम बंगभवन के दरबार हॉल में बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। यह राष्ट्रपति चुनाव इसलिए जरूरी हुआ, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी माने जाने वाले मोहम्मद शहाबुद्दीन ने पिछले महीने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दिया था। उनका पांच साल का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ था।

संविधान में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर क्या नियम है?

प्रधानमंत्री और बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान ने लंबे समय तक पार्टी के महासचिव रहे और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के करीबी सहयोगी आलमगीर को राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। संविधान के मुताबिक, राष्ट्रपति का पद खाली होने के 90 दिनों के अंदर नया राष्ट्रपति चुना जाना जरूरी है। राष्ट्रपति का पद खाली होने के बाद संविधान के नियम के अनुसार संसद के अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद फिलहाल कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर काम कर रहे हैं। संविधान के मुताबिक, राष्ट्रपति का चुनाव संसद करती है।

बीएनपी के पास दो-तिहाई बहुमत?

12 फरवरी को हुए चुनाव में बीएनपी सत्ता में आई थी। अभी संसद में उसके पास दो-तिहाई बहुमत है। ऐसे में आलमगीर के राष्ट्रपति बनने की संभावना काफी मजबूत है। अगर आलमगीर चुनाव जीतते हैं, तो वह बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति बनेंगे। वह दो दशक से ज्यादा समय से बीएनपी के सबसे प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उन्होंने 2011 से पार्टी के कार्यवाहक महासचिव के तौर पर काम किया। इसके बाद 2016 में वह औपचारिक रूप से महासचिव बने। उन्होंने उस समय बीएनपी का नेतृत्व करने में अहम भूमिका निभाई, जब पार्टी की तत्कालीन अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री जिया जेल में थीं और रहमान विदेश में थे।

राष्ट्रपति की शक्तियां कितनी हैं?

बांग्लादेश की संसदीय व्यवस्था में राष्ट्रपति मुख्य रूप से नाममात्र के राष्ट्राध्यक्ष होते हैं। हालांकि, उनके पास संविधान के तहत कुछ अहम अधिकार हैं। इनमें प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करना शामिल है। राष्ट्रपति देश की सशस्त्र सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर भी होते हैं। हालांकि, इन शक्तियों का इस्तेमाल आम तौर पर प्रधानमंत्री की सलाह पर किया जाता है।

आलमगीर का राजनीतिक सफर क्या है?

आलमगीर ने अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है। उन्होंने राजनीति में कदम वामपंथी विचारों वाले छात्र नेता के तौर पर रखा था। उस समय बांग्लादेश को पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था। भारत की मदद से 1971 में बांग्लादेश पाकिस्तान से आजाद हुआ था। 90 के दशक की शुरुआत में बीएनपी में शामिल होने के बाद आलमगीर ने कृषि और विमानन राज्य मंत्री के तौर पर काम किया। 12 फरवरी के चुनाव के बाद 17 फरवरी 2026 को नई सरकार बनने पर मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को प्रांतीय सरकार में ग्रामीण विकास और सहकारिता मंत्री बनाया गया।

Bihar Politics: राजभवन मार्च पर राजद नेताओं के साथ निकले तेजस्वी यादव, पूछा- गोलीकांड पर चुप क्यों हैं सीएम

ब्रिटिश मीडिया में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन अपने बच्चों के साथ यूनाइटेड किंगडम लौटने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, वापसी के बावजूद दोनों शाही परिवार के कामकाजी सदस्यों के रूप में अपनी जिम्मेदारियां दोबारा नहीं संभालेंगे। प्रिंस हैरी और मेगन के अपने बच्चों आर्ची और लिलिबेट के साथ ब्रिटेन लौटने की खबर ने शाही परिवार में संभावित नए समीकरणों की चर्चा तेज कर दी है। बुधवार देर रात ब्रिटिश मीडिया में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे ब्रिटिश स्कूलों में दाखिला ले चुके हैं और परिवार लंदन के बाहर निजी घर में रह सकता है। दोनों शाही परिवार की कामकाजी भूमिकाएं फिर से नहीं संभालेंगे। यह कदम किंग चार्ल्स के साथ हैरी के सुधरते रिश्तों को और मजबूत कर सकता है, लेकिन प्रिंस विलियम के साथ लंबे समय से जारी तनाव के बीच यह वापसी नई चुनौतियां भी पैदा कर सकती है।

बच्चों का ब्रिटिश स्कूलों में दाखिला

इस खबर को सबसे पहले प्रकाशित करने वाले अखबार 'डेली टेलीग्राफ' के अनुसार, हैरी और मेगन के बच्चे 7 वर्षीय प्रिंस आर्ची और 5 वर्षीय प्रिंसेस लिलिबेट का ब्रिटेन के स्कूलों में दाखिला कराया जा चुका है। दोनों बच्चे सितंबर से अपनी कक्षाएं शुरू करेंगे। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, परिवार लंदन से बाहर एक निजी और गैर-शाही आवास में रहने की योजना बना रहा है। हालांकि, इस संभावित ठिकाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

छह साल पहले छोड़ी थी शाही भूमिका

हैरी और मेगन ने छह साल से भी अधिक समय पहले शाही जिम्मेदारियों से दूरी बना ली थी। इसके बाद वे अमेरिका के कैलिफोर्निया चले गए, जहां उन्होंने नेटफ्लिक्स और स्पॉटिफाई जैसी कंपनियों के साथ बड़े व्यावसायिक करार किए। उस फैसले के बाद शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ उनके रिश्तों में लगातार तनाव बना रहा। हालांकि, हाल के महीनों में हैरी ने अपने पिता किंग चार्ल्स तृतीय के साथ संबंध सुधारने की इच्छा खुलकर जाहिर की है। चार्ल्स इस समय कैंसर के एक अज्ञात प्रकार का इलाज करा रहे हैं।

चार्ल्स को रविवार को दी गई जानकारी

रिपोर्ट के अनुसार, किंग चार्ल्स को रविवार को हैरी और मेगन की ब्रिटेन लौटने की योजना के बारे में बताया गया। खास बात यह है कि पिछले महीने जब हैरी और मेगन ब्रिटेन आए थे, तब उन्होंने कथित तौर पर राजा को इस योजना की जानकारी नहीं दी थी। किंघम पैलेस की नीति के मुताबिक, शाही परिवार के गैर-कामकाजी सदस्यों से जुड़ी अटकलों पर महल आमतौर पर टिप्पणी नहीं करता। हैरी और मेगन के प्रतिनिधि ने भी इस खबर पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।

कैलिफोर्निया जाने के बाद रिश्तों में आया उतार-चढ़ाव

दक्षिणी कैलिफोर्निया के मोंटेसिटो इलाके में आलीशान घर में बसने के बाद से हैरी और मेगन के शाही परिवार के साथ रिश्ते लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरते रहे हैं। कई इंटरव्यू और हैरी की आत्मकथा 'स्पेयर' में दोनों ने बताया कि उन्होंने शाही जीवन की पाबंदियों और दबाव से दूर होने के लिए ब्रिटेन छोड़ा था। उन्होंने पैलेस के अधिकारियों पर मेगन की मानसिक सेहत को लेकर असंवेदनशील रवैया अपनाने का आरोप भी लगाया था।

मेगन की गर्भावस्था के दौरान नस्लीय टिप्पणी का आरोप

हैरी और मेगन ने यह भी दावा किया था कि जब मेगन अपने पहले बच्चे के साथ गर्भवती थीं, तब शाही परिवार के कम से कम एक सदस्य ने उनके होने वाले बच्चे की त्वचा के रंग को लेकर नस्लीय टिप्पणी की थी। मेगन खुद को मिश्रित नस्ल की महिला बताती हैं। हालांकि, इस विवाद में जिस शाही सदस्य पर कथित टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था, उसका नाम सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया।

टैब्लॉयड मीडिया के खिलाफ हैरी की लंबी कानूनी लड़ाई

ब्रिटिश टैब्लॉयड अखबारों के साथ हैरी की लंबी कानूनी लड़ाई ने भी शाही परिवार के साथ तनाव को और गहरा किया है। हैरी का आरोप है कि बचपन के दौरान कुछ अखबारों ने गैर-कानूनी तरीके से उनके फोन हैक किए और उनकी निजी जिंदगी में दखल दिया। मीडिया संस्थानों के खिलाफ हैरी कई मुकदमों में असफल भी रहे हैं। इनमें 'डेली मेल' के प्रकाशक के खिलाफ दायर मामला भी शामिल है, जो पिछले महीने समाप्त हुआ।

कानूनी लड़ाई के बाद करोड़ों पाउंड का खर्च

ताजा मुकदमे के बाद हैरी पर लाखों पाउंड का कानूनी खर्च आने का खतरा मंडरा रहा है। अदालत ने फैसला सुनाया है कि उन्हें और मामले में शामिल अन्य वादियों को प्रकाशक की कानूनी फीस का भुगतान करना होगा। 'एसोसिएटेड न्यूजपेपर्स' ने ऐसे दस्तावेज अदालत में जमा किए हैं, जिनके मुताबिक उसका कानूनी खर्च करीब 34.5 मिलियन पाउंड यानी लगभग 47 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

ब्रिटिश सरकार से सुरक्षा को लेकर भी विवाद

हैरी का ब्रिटिश सरकार के साथ भी सुरक्षा को लेकर कानूनी विवाद चल रहा है। मामला उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें एक सरकारी समिति ने ब्रिटेन में रहने के दौरान प्रिंस और उनके परिवार के लिए पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था से इनकार कर दिया था। हैरी का कहना है कि शाही परिवार का सदस्य होने के कारण उन्हें और उनके परिवार को सशस्त्र पुलिस सुरक्षा की जरूरत है। उनके मुताबिक यह खतरा उनकी शाही गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी से अलग है।

हार के बाद भी सुलह की उम्मीद जताई

पिछले साल सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अदालती लड़ाई हारने के बाद हैरी ने कहा था कि वह अपने परिवार के साथ रिश्ते सुधारने की उम्मीद रखते हैं। बीबीसी से बातचीत में उन्होंने कहा था,'मैं अपने परिवार के साथ सुलह करना चाहता हूं। अब और लड़ते रहने का कोई मतलब नहीं है। मुझे नहीं पता कि मेरे पिता के पास कितना समय बचा है।'

पिछले महीने हुई मुलाकात को माना जा रहा अहम कदम

सुलह की दिशा में एक शुरुआती कदम पिछले महीने देखने को मिला, जब हैरी कुछ चैरिटी कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए ब्रिटेन लौटे। मेगन और दोनों बच्चे भी यात्रा के एक हिस्से में उनके साथ ब्रिटेन पहुंचे थे। इस दौरान परिवार ने पश्चिमी इंग्लैंड स्थित किंग चार्ल्स के हाईग्रोव एस्टेट में उनके साथ समय बिताया। 2022 में दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की प्लेटिनम जुबली के बाद यह पहली बार था जब आर्ची और लिलिबेट ने अपने दादाजी से मुलाकात की।

Supreme Court: सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सीपीसीबी दिवाली से पहले पटाखों के शोर की सीमा और ढील पर विचार करे

बुधवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और सीपीसीबी की ओर से पेश भाटी ने सुनवाई टालने का अनुरोध किया। पीठ ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया, लेकिन फिर से कहा कि सीपीसीबी को त्योहार से पहले शोर की तय सीमा में कुछ ढील देने की संभावना पर विचार करना चाहिए। कुछ पटाखा विक्रेताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील जेसाई दीपक ने कहा कि मौजूदा स्थिति के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है और उनके क्लाइंट का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। कम से कम लाइसेंस तो बहाल कर दिया जाए, ताकि अगर कोर्ट मैन्युफैक्चरिंग की इजाजत देने का फैसला करे तो लाइसेंस हो। हलका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल ने पूर्व सहयोगी से दुष्कर्म के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा सुनाई गई 10 साल की सजा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। वहीं, 18 अगस्त को गोवा सरकार ने भी इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट से तेजपाल को मिली सजा बढ़ाने की मांग की थी। यह मामला साल 2013 का है। तरुण तेजपाल पर आरोप था कि उन्होंने गोवा के एक लग्जरी होटल की लिफ्ट में अपनी जूनियर सहयोगी के साथ यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म किया। शिकायत के बाद गोवा पुलिस ने उनके खिलाफ दुष्कर्म समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया था। नवंबर 2013 में तेजपाल को गिरफ्तार किया गया था। मई 2021 में मापुसा की सत्र अदालत ने सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए तरुण तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। 18 अगस्त को गोवा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सरकार का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट की सजा पर्याप्त नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से आगामी दिवाली पर्व के सीजन को देखते हुए पटाखों के शोर की तय सीमा (ध्वनि सीमा) और कुछ श्रेणियों के पटाखों पर आंशिक ढील दिए जाने की संभावना पर विचार करने को कहा है। कोर्ट ने साफ किया कि इस मामले पर एन वक्त पर जल्दबाजी करने के बजाय पहले ही विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य राज्यों में हवा के अधिक प्रदूषित होने के दौरान पटाखे जलाने पर लगी पाबंदियों से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान यह सुझाव दिया। पीठ ने सीपीसीबी के वकील से कहा कि कृपया कुछ छूट दें। हम दिवाली से ठीक पहले इसमें जल्दबाजी नहीं करना चाहते। शीर्ष अदालत ने 22 जुलाई को हुई पिछली सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा था कि वे सीपीसीबी से इस बारे में निर्देश लें कि क्या शोर से जुड़ी पाबंदियों में कुछ छूट देकर खास तरह के पटाखों की इजाजत दी जा सकती है।सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि प्री-कन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्नीक्स (PCPNDT) एक्ट के तहत आने वाले अपराधों की पुलिस स्वतंत्र रूप से जांच शुरू नहीं कर सकती। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि ऐसे मामलों में कानून के तहत निर्धारित सक्षम प्राधिकरण को कार्रवाई करनी होगी।

बिटकॉइन में अचानक आई तेजी: क्रिप्टो के अच्छे दिन फिर लौटे अमेरिकी बॉन्ड बाजार के फैसले से कैसे हुआ फायदा?

अमेरिकी बॉन्ड बाजार के फैसले से क्रिप्टो को कैसे फायदा हुआ?

बिटकॉइन की इस तेजी के पीछे अमेरिकी ट्रेजरी की बॉन्ड बायबैक योजना को एक अहम वजह माना जा रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी ने लंबी अवधि के बॉन्ड की बायबैक राशि बढ़ाकर चार अरब डॉलर करने का फैसला किया है। इससे वित्तीय बाजार में अतिरिक्त नकदी आने की उम्मीद बनी है। बाजार में नकदी बढ़ने की उम्मीद से जोखिम वाली संपत्तियों में निवेश का रुझान बढ़ा और इसका फायदा क्रिप्टोकरेंसी को भी मिला।

शॉर्ट पोजिशन खत्म होने से बिटकॉइन को कैसे मिला जोर?

बिटकॉइन की गिरावट पर दांव लगाने वाले ट्रेडर्स को अचानक तेजी से बड़ा नुकसान हुआ। बुधवार को करीब चार घंटे के भीतर 1.4 अरब डॉलर की शॉर्ट पोजिशन खत्म हो गईं। इससे बाजार में तेजी से खरीदारी बढ़ी और बिटकॉइन की कीमत ऊपर चली गई। इसे क्रिप्टो बाजार में शॉर्ट स्क्वीज की स्थिति के तौर पर देखा जा सकता है। यानी जिन निवेशकों ने कीमत गिरने की उम्मीद की थी, उन्हें अपनी पोजिशन बंद करने के लिए खरीदारी करनी पड़ी, जिससे तेजी और मजबूत हो गई। बिटकॉइन की तेजी का असर दूसरे बड़े क्रिप्टो टोकन पर भी दिखाई दिया। पिछले 24 घंटे में एथेरियम करीब 17 फीसदी चढ़ा और प्रमुख बढ़त वाले क्रिप्टो में शामिल रहा। ट्रंप टोकन में करीब 25 फीसदी, हाइपरलिक्विड में 19 फीसदी और अर्बीटरूम में करीब 15 फीसदी की तेजी दर्ज हुई। इसके अलावा बीएनबी, सलोना, डॉजीक्वाइन और कार्डानो जैसे प्रमुख ऑल्टकॉइन्स में भी करीब 26 फीसदी तक की बढ़त देखी गई।

बिटकॉइन में तेज उछाल से क्रिप्टो बाजार में फिर उत्साह लौट आया है। बृहस्पतिवार को इसकी कीमत करीब 72000 डॉलर पहुंच गई और 24 घंटे में लगभग 11 फीसदी की तेजी दर्ज हुई। बाजार पूंजीकरण भी करीब 250 अरब डॉलर बढ़ा है। लेकिन यह तेजी कितनी टिकाऊ है? क्या बिटकॉइन 80,000 डॉलर तक पहुंच सकता है या फिर निवेशकों को मुनाफावसूली का सामना करना पड़ेगा? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में एक बार फिर तेज उछाल देखने को मिला है। बुधवार को करीब 70,000 डॉलर पहुंचने के बाद बृहस्पतिवार को इसका भाव करीब 72,000 डॉलर तक पहुंच गया। जून 2026 के बाद यह पहली बड़ी तेजी बताई जा रही है। पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन करीब 11 फीसदी चढ़ा है। पांच दिनों में इसमें करीब 14 फीसदी और एक सप्ताह में करीब नौ फीसदी की बढ़त हुई है। इस तेजी से वैश्विक क्रिप्टो बाजार का कुल बाजार पूंजीकरण करीब 250 अरब डॉलर बढ़ गया है।

क्या बिटकॉइन 80,000 डॉलर तक पहुंच सकता है?

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक बिटकॉइन अगर 68,000 से 69,000 डॉलर के दायरे से ऊपर टिकता है तो निकट अवधि में तेजी बनी रह सकती है। क्रिप्टो विशेषज्ञ शुभम दुबे के मुताबिक तेज उछाल के बाद कुछ मुनाफावसूली या बाजार का कुछ समय स्थिर रहना सामान्य और सकारात्मक हो सकता है। उनके अनुसार 70,500 डॉलर एक अहम स्तर है। अगर बिटकॉइन इसके ऊपर बना रहता है तो 80,000 डॉलर तक जाने की संभावना बन सकती है। बिटकॉइन में तेज बढ़त से बाजार में उत्साह जरूर लौटा है, लेकिन क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बहुत तेज हो सकता है। मौजूदा तेजी में बॉन्ड बायबैक की उम्मीद और शॉर्ट पोजिशन खत्म होने जैसे कारणों की भूमिका रही है। इसलिए लगातार बढ़ती कीमत को देखकर यह मान लेना जोखिम भरा होगा कि तेजी हमेशा जारी रहेगी।फिलहाल बाजार की नजर इस बात पर रहेगी कि बिटकॉइन 68,000 से 69,000 डॉलर के ऊपर अपनी स्थिति बनाए रखता है या नहीं।

चीनी के बाद दाल बिगाड़ेगी रसोई का बजट?: आयात घटा, बुवाई भी रही कम; त्योहार से पहले मंडरा रहा महंगाई का संकट

देश में दालों के आयात में कमी और खरीफ सीजन में बुवाई का रकबा घटने से आने वाले दिनों में कीमतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। अल-नीनो के कारण पैदावार प्रभावित होने की चिंता भी है। हालांकि सरकार ने करीब 30 लाख टन दालों का बफर स्टॉक तैयार किया है। ऐसे में सवाल है कि क्या यह भंडार त्योहारी सीजन में दालों की महंगाई रोकने के लिए पर्याप्त होगा? आइए, सबकु विस्तार से जानते हैं...

दालों के आयात में कितनी कमी आई है?

जनवरी से जून 2026 के दौरान तुअर का आयात 5.05 लाख टन रहा। भारत को तुअर की बड़ी आपूर्ति अफ्रीकी देशों से मिली। मोजाम्बिक ने 1.83 लाख टन से अधिक तुअर भेजकर सबसे ज्यादा आपूर्ति की। इसके बाद म्यांमार से 1.23 लाख टन, तंजानिया से 1.01 लाख टन और सूडान से 49,049 टन दाल आई। कुल आयात में मामूली कमी है, लेकिन घरेलू उत्पादन पर मौसम का असर पड़ा तो आयात की कम मात्रा बाजार के लिए चिंता बढ़ा सकती है।

क्या त्योहारी सीजन में दालों की कीमत पर नजर रखना जरूरी है?

देश में हर साल कुल दलहन उत्पादन करीब 256.83 लाख टन होता है। इसमें चना दाल की हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी है। अरहर की हिस्सेदारी 15 से 20 फीसदी, जबकि उड़द और मूंग की हिस्सेदारी करीब 8 से 10 फीसदी है। इस साल आयात में कमी, कुछ प्रमुख दालों के घटते रकबे और मौसम की चिंता एक साथ सामने आई है। हालांकि सरकारी बफर स्टॉक कीमतों को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि फसल आने तक उत्पादन कितना रहता है और त्योहारी मांग बढ़ने पर बाजार में दालों की उपलब्धता कैसी रहती है।

सरकार का कहना है कि फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उसके पास पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है।

इसमें अरहर, उड़द, मूंग, चना और मसूर शामिल हैं। सरकार बाजार की कीमतों पर लगातार नजर रख रही है।

चीनी की बढ़ती कीमतों की चर्चा खत्म भी नहीं हो पाई थी कि अब दाल के दाम पर बात शुरू हो गई। भारत में दालों की कीमतों को लेकर चिंता बढ़ रही है। घरेलू उत्पादन में संभावित कमी और आयात घटने से बाजार में आपूर्ति पर दबाव पड़ सकता है। 2026 के पहले छह महीनों में देश में दालों का आयात 31.80 लाख टन रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि के 32.27 लाख टन से 1.46 फीसदी कम है। इसके साथ ही खरीफ सीजन में दालों की बुवाई का रकबा भी पिछले साल से कम है। अगर उत्पादन भी प्रभावित हुआ तो त्योहारी सीजन में दालों की कीमत बढ़ सकती है।

अल-नीनो से पैदावार पर क्यों बढ़ी चिंता?

दालों की बुवाई का रकबा भले ही करीब 108 लाख हेक्टेयर है, लेकिन अब चिंता फसल की पैदावार को लेकर है। दालों की फसल को बीच के चरण में अच्छी बारिश की जरूरत होती है। अगस्त के अंत से सितंबर के बीच अल-नीनो के मजबूत होने के संकेत बताए गए हैं। इससे बारिश का पैटर्न प्रभावित हो सकता है और प्रति हेक्टेयर पैदावार पर असर पड़ सकता है। निजी मौसम एजेंसी ने 70 फीसदी सूखे की आशंका जताई है। अगर मौसम खराब रहा तो कम रकबा और कम उत्पादकता दोनों मिलकर दालों की उपलब्धता घटा सकते हैं।

Gold Silver Price: दिल्ली में सोने का भाव 2,000 रुपये उछला चांदी भी चमकी; वैश्विक तनाव से बाजार में हलचल

वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की क्या स्थिति है?

वैश्विक स्तर पर हाजिर सोने का कारोबार 0.5 फीसदी की गिरावट के साथ 4,394.57 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर हुआ। चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई। यह एक फीसदी से अधिक गिरकर 65.08 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गई। मीराए एसेट शेयरखान में कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने इस पर टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया से उत्पन्न आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण कच्चा तेल उछला। इसी वजह से सोना 4,392 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास मंडरा रहा था।कोटक सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च के सहायक उपाध्यक्ष कायनात चैनवाला ने कहा कि मजबूत अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और कुछ मुनाफावसूली के कारण हाजिर चांदी में 65 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की ओर नरमी आई। चैनवाला ने यह भी बताया कि इस गिरावट के बावजूद, बुलियन के लिए व्यापक पृष्ठभूमि सकारात्मक बनी हुई है। इसे नरम फेड दर की उम्मीदों, चीन के नेतृत्व में केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी और स्थिर निवेश मांग से समर्थन मिल रहा है।

दिल्ली में सोने का भाव 2,000 रुपये बढ़कर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि चांदी भी 730 रुपये चढ़ी। खुदरा विक्रेताओं और जमाखोरों की खरीदारी के साथ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने धातुओं को सहारा दिया। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को सोने की कीमत में 2,000 रुपये की बड़ी वृद्धि दर्ज की गई। खुदरा विक्रेताओं और जमाखोरों की बढ़ी हुई खरीदारी के कारण यह लगातार दूसरे सत्र में बढ़त पर रहा। चांदी के भाव में भी 730 रुपये का उछाल आया। 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। सोमवार को यह 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, चांदी भी 2,40,730 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। यह दो सत्रों तक 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही।

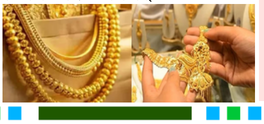

The Bonus Market Update: बाजार में गिरावट का दौर जारी; सेंसेक्स 50 अंक से अधिक लुढ़का, निफ्टी 24,250 के नीचे

बाजार में गिरावट की मुख्य वजह क्या है?

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार की गिरावट के पीछे दो प्रमुख कारण रहे। पहला, अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में पिछली रात हुई भारी गिरावट का असर भारतीय बाजार पर पड़ा। दूसरा, कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। इन वैश्विक संकेतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इससे बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ गया।गुरुवार, 20 अगस्त को घरेलू इक्विटी बाजार में उछाल देखा गया था। निफ्टी में 0.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। इस दिन भारतीय इक्विटी बेंचमार्क ने सात सत्रों से चली आ रही गिरावट की श्रृंखला को तोड़ा था। निवेशकों ने निचले स्तरों पर मूल्य खरीदारी की थी। इससे बाजार को कुछ राहत मिली थी।विश्लेषकों का अनुमान है कि भारतीय बाजार सीमित दायरे में रह सकते हैं। हालांकि, हल्की सुधार की संभावना भी बनी हुई है। मजबूत वैश्विक संकेत भी बाजार को सहारा दे सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार, 21 अगस्त को गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 50 अंक से अधिक गिरा, जबकि निफ्टी 24,250 के नीचे आ गया। वॉल स्ट्रीट में नुकसान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर दिखा। आईटी शेयरों में भी गिरावट आई।भारतीय शेयर बार में शुक्रवार, 21 अगस्त को गिरावट का रुख रहा। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 50 अंक से अधिक लुढ़क गया। वहीं, निफ्टी भी 24,250 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट में रात भर के नुकसान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण हुई। आईटी शेयरों में भी बिकवाली का दबाव देखा गया।गुरुवार, 20 अगस्त को भारतीय इक्विटी बेंचमार्क ने सात सत्रों की लगातार गिरावट को रोका था। हालांकि, शुक्रवार को बाजार में सुधार को बनाए रखने में संघर्ष करता दिखा। सुबह 09:33 बजे सेंसेक्स 77,486.07 अंक पर कारोबार कर रहा था। इसमें 51.65 अंक या 0.06 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी 50 भी 24,219.20 अंक पर था। इसमें 12.65 अंक या 0.05 फीसदी की कमी आई।सात लगातार सत्रों की गिरावट के बाद मूल्य खरीदारी इसका समर्थन कर सकती है।

क्या दीपिका पादुकोण ने 'स्पिरिट' के मुनाफे में मांगा था हिस्सा? संदीप रेड्डी वांगा के भाई ने लगाए ऐसे आरोप

5Spirit Controversy: दीपिका पादुकोण के 'स्पिरिट' विवाद पर संदीप रेड्डी वांगा के भाई ने नए खुलासे किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि दीपिका ने कुछ ज्यादा ही मांगे रखी थीं। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका पादुकोण के बाहर होने पर काफी विवाद हुआ। उस समय ऐसी खबरें आई कि फीस और काम के घंटों को लेकर हुए मतभेदों की वजह से दीपिका प्रोजेक्ट से हट गईं। इस विवाद को संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने फिर से हवा दी है। वह इस प्रोजेक्ट के निर्माता भी हैं। उन्होंने दीपिका के बाहर होने के कारणों के बारे में नए दावे किए हैं। जब प्रणय रेड्डी वांगा से पूछा गया कि फिल्ममेकर ने दीपिका की जगह तृप्ति डिमरी को लेने का फैसला क्यों किया

तो प्रणय ने आरोप लगाया कि फीस, शेड्यूलिंग और प्रोजेक्ट के दूसरे पहलुओं को लेकर असहमति थी।

उन्होंने कहा, 'कारण वही है जो पहले बताया गया था। एक तो फीस थी, दूसरा टाइमिंग। इसके अलावा कुछ और कारण भी थे। मुझे अभी ठीक से याद नहीं आ रहा है, लेकिन कई बातें थीं। यह संदीप का फैसला था।' प्रणय रेड्डी वांगा ने आरोप लगाया, 'जैसे ही हमने दूसरे विकल्पों पर विचार करना शुरू किया, उन्होंने सब कुछ लीक करना शुरू कर दिया।' उन्होंने कहा, 'हमने उनके साथ कहानी और किरदार पर चर्चा की थी। अंदरूनी चर्चाओं की बातें बाहर नहीं आनी चाहिए, लेकिन उन्होंने वे सभी बातें लीक कर दीं। इसीलिए हम परेशान हैं।' उन्होंने आगे कहा कि मेकर्स को पादुकोण को अतिरिक्त 5-6 करोड़ रुपये देने में कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रोजेक्ट का कुल बजट और शर्तें ही इस बात के बिगड़ने की वजह बनीं। फिल्म से दीपिका के हटने पर ऑनलाइन काफी विवाद हुआ था,

Kangana Ranaut: शर्मिला टैगोर के वंदे मातरम वाले बयान पर क्या बोलीं कंगना? गले लगने वाली बात का किया जिक्र

Kangana Ranaut On Sharmila Tagore: कंगना रनौत ने शर्मिला टैगोर के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें उन्होंने 'वंदे मातरम' को लेकर टिप्पणी की थी। कंगना ने शर्मिला से गले लगने वाली बात का भी जिक्र किया है। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत कई ज्वलंत मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। वह अक्सर अपने बयानों की वजह से चर्चा में आ जाती हैं। हाल ही में अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने वंदे मातरम को लेकर कहा 'इसके कुछ हिस्से एक ईश्वर को मानने वाले लोगों की मान्यताओं से मेल नहीं खा सकते हैं।' इस कमेंट पर कंगना रनौत ने प्रतिक्रिया दी है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में शर्मिला टैगोर ने कहा था 'मेरा मानना है कि कई धार्मिक लोग एक ही ईश्वर में विश्वास करते हैं, न कि कई देवताओं में।

पैसा और प्यार में से किसको चुनेंगी निया शर्मा? टीवी अभिनेत्री ने दिया दो-टूक जवाब फैंस ने भी दी प्रतिक्रिया

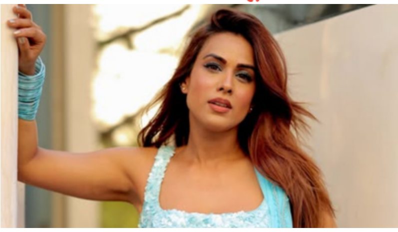

Nia Sharma Viral Video: निया शर्मा टीवी की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जो अपने बोल्ड लुक और बयानों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में निया शर्मा ने बताया कि वह प्यार और पैसे में से किसका चुनाव करेंगी? निया शर्मा को टीवी सीरियल 'जमाई राजा' और 'नागिन 4' के जरिए घर-घर पहचान मिली थी। इसके अलावा वह कई रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही निया 'लाफ्टर शेफ' के सेट पर नजर आईं। यहां पैपराजी ने उनसे सवाल किया कि वह प्यार और पैसे में से किसे चुनेंगी? इस पर क्या रहा अभिनेत्री का जवाब, जानिए? पैपराजी के सामने निया शर्मा नारंगी रंग के सूट-सलवार में आईं। वह 'लाफ्टर शेफ' का एपिसोड शूट करने आई थीं। इस सेट पर उन्होंने पैपराजी को कहा, 'वह प्यार और पैसे मे से पैसे को चुनेंगी।'

जब फैंस ने निया शर्मा जवाब सुना तो कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें सही बताया। इसके अलावा कुछ फैंस ने निया के लुक को सराहा और हार्ट इमोजी शेयर किए। निया शर्मा की इंस्टाग्राम पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। उनके लगभग 8 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। 'नागिन 4' में निया शर्मा ने लीड रोल किया था। अब तक इस टीवी शो के सात सीजन आ चुके हैं, जिनमें मौनी रॉय के अलावा, सुरभि ज्योति, सुरभि चांदना, अदा खान, तेजस्वी प्रकाश और प्रियंका चाहर चौधरी ने लीड रोल किए थे। बीते दिनों इस शो की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने एक वीडियो में सभी अभिनेत्रियों की झलक दिखाई है। साथ ही बताया

Awarapan 2 VS Batwara 1947
एक हफ्ते से पहले बॉक्स ऑफिस पर लड़खड़ाई आवारापन 2

Awarapan 2 VS Batwara 1947 Collection: फिल्म 'आवारापन' और 'बंटवारा 1947' एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। एक हफ्ते से पहले ही इन फिल्मों के कलेक्शन में गिरावट देखने को मिल रही है। इमरान हाशमी की अदाकारी वाली फिल्म 'आवारापन 2' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा घटने लगा है। सनी देओल की अदाकारी वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' की कमाई में भी गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों फिल्में एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। जानिए 'स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे' ने अब तक कितना कलेक्शन किया है?

- आवारापन 2' की कैसी रही कमाई?ओपनिंग डे पर इसने 22 करोड़ रुपये से खाता खोला था।
- दूसरे दिन इस फिल्म ने 33.75 करोड़ रुपये कमाए।
- तीसरे दिन इसने 26 करोड़ रुपये का कारोबार किया।
- चौथे दिन इसने 9.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।
- पांचवें दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर 9.75 करोड़ रुपये कमाए।
- छठे दिन इसने 6.75 करोड़ रुपये जुटाए।
- 'आवारापन 2' का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 107.50 करोड़ रुपये हो चुका है।

आवारापन 2' की स्टारकास्ट

इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की अदाकारी वाली फिल्म 'आवारापन 2' के निर्देशक नितिन कक्कड़ हैं। इसमें शबाना आजमी भी अहम भूमिका में हैं। इमरान हाशमी ने इसमें शिवम के किरदार में वापसी की है।
यह फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई 'आवारापन' की सीक्वल है।

The Traitors 2: क्या रिया को याद आया जिंदगी का सबसे कठिन दौर? कहा- मैं सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाली इंसान हूं

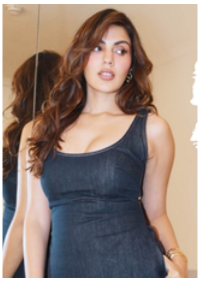

Rhea Chakraborty: रिया चक्रवर्ती शो 'द ट्रेटर्स 2' का हिस्सा हैं। इसमें प्रतिभागी या तो ट्रेटर होते हैं या फिर इनोसेंट। ऐसे में जब रिया को कोई ट्रेटर की नजर से देखता है, तो उन्हें कैसा लगता है? इस बारे में उन्होंने बताया है। 'द ट्रेटर्स 2' में किसी पर शक होना खेल का हिस्सा है, मगर रिया चक्रवर्ती के लिए 'ट्रेटर' शब्द शायद बाकी खिलाड़ियों जितना हल्का नहीं है। घर में जब उन पर शक बढ़ता है, तो रिया अपनी जिंदगी के उस दौर को याद करती हैं, जब उन्हें लगता था कि दुनिया ने पहले ही उन्हें ट्रेटर मान लिया था। उनकी सफाई में खेल से ज्यादा उनकी अपनी कहानी सामने आ जाती है। घर में अपने ऊपर हो रहे शक के बीच रिया कहती हैं, 'मैं सच में ट्रेटर नहीं हूं। मैं कैसे बताऊं? मेरा जो नैरेटिव है ना लाइफ का, यही रहा कि दुनिया ने मुझे ट्रेटर समझा लेकिन मैं इनोसेंट निकली हूं।' रिया का इशारा उस दौर की तरफ है, जब सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उन्हें लंबे समय तक सवालों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। 2025 में सीबीआई ने मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। जांच में रिया के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का सबूत नहीं मिला था

ब्रह्मास्त्र 2 का कितना काम हुआ पूरा?
रणबीर कपूर की फिल्म पर आई बड़ी अपडेट इस रोल में नजर आ सकती हैं दीपिका

Brahmastra 2: रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की अदाकारी वाली फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के सीक्वल को लेकर एक अपडेट सामने आई है। आइए जानते हैं सीक्वल पर अब तक क्या जानकारी सामने आई है? रणबीर कपूर इस साल दिवाली पर अपनी बड़ी फिल्म 'रामायण' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'ब्रह्मास्त्र 2' के लिए वह अयान मुखर्जी के साथ फिर से काम कर सकते हैं।

क्या होगा दीपिका का रोल?
जहां रणबीर और आलिया शिव और ईशा के अपने किरदारों को दोहराने के लिए तैयार हैं, वहीं एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी अमृता का किरदार निभाने के लिए फिल्म से जुड़ सकती हैं। फैंस 'ब्रह्मास्त्र' में शिव की मां के तौर पर दीपिका की झलक देखकर बहुत खुश हुए थे। इससे फिल्म में उनके किरदार और सीक्वल में उनकी भूमिका के बारे में उत्सुकता पैदा हुई।

क्या दूसरी शादी करने वाले थे गोविंदा? राखी सावंत से बातचीत में सुनीता का चौंकाने वाला खुलासा जानिए क्या कहा?

Rakhi Sawant Govinda Sunita Controversy: अभिनेता गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर के आरोप लगाए हैं। इस बीच गोविंदा और सुनीता की निजी जिंदगी पर राखी सावंत ने रिएक्शन दिया है। गोविंदा जल्द ही फिल्म 'रूपा' से फिल्मों में कमबैक करने वाले हैं। इस बीच वे अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी जबर्दस्त सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा उन पर कई आरोप लगा चुकी हैं। किसी अन्य हीरोइन से अफेयर होने जैसी बातें कह चुकी हैं। इस बीच उन्होंने गोविंदा से तलाक का केस भी फाइल किया था। मगर, बीते दिन उन्होंने केस वापस ले लिया। इस पूरे मामले पर उन्होंने राखी सावंत से बात की। गोविंदा और सुनीता आहूजा की पर्सनल लाइफ में चल रहे उतार-चढ़ाव के बीच एक नया एंगल सामने आया है। बीते दिनों सुनीता ने चीची से तलाक का केस वापस लिया। अब उन्होंने राखी सावंत से बातचीत में जिक्र किया कि गोविंदा दूसरी शादी की योजना बना रहे थे। उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि अचानक तलाक का केस वापस क्यों लिया? राखी सावंत का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे पैपराजी के सामने सुनीता आहूजा से फोन पर बात कर रही हैं। फोन स्पीकर पर है। संभवतः सुनीता आहूजा को नहीं पता कि राखी पब्लिकली बात कर रही हैं। राखी फोन पर सुनीता से कहती है कि आपने जो किया वो ठीक किया

इस पर सुनीता ने कहा कि 'मेरे सपोर्ट में तुम लोगों को बोलना चाहिए। तुम्हें कहानी मालूम है'।

राखी सावंत कहती हैं, 'मैं हमेशा आपके सपोर्ट में हूं। सुनीता जी घर के दाल-चावल घर के होते हैं बाहर का चिकन टिक्का खाकर सेहत खराब होती है'। सुनीता आहूजा कहती हैं, 'चिकन टिक्का भी अच्छा होता है, तूने देखा नहीं एयरपोर्ट पर जिसे लेकर गया था'।

Aaj Ka Rashifal 21 August

मेष और मकर राशि वालों के बनेंगे बिगड़े काम, धन लाभ के योग

Rashifal 21 August 2026: आज ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर सभी राशियों के जीवन पर देखने को मिल सकता है। कुछ जातकों को करियर और धन के मामले में लाभ मिलेगा, जबकि कुछ लोगों को महत्वपूर्ण फैसले लेते समय सावधानी बरतनी होगी। जानें मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा।

Aaj Ka Rashifal 21 August 2026: ज्योतिषीय गणना के अनुसार आज का दिन सभी 12 राशियों के लिए अलग-अलग परिणाम लेकर आएगा। किसी राशि के जातकों को नौकरी-कारोबार में नए अवसर मिल सकते हैं, तो कुछ लोगों को आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने की सलाह दी जाती है। वहीं, प्रेम, परिवार और सेहत के लिहाज से भी दिन में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। आज कुछ लोगों के रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है, जबकि कुछ को धैर्य के साथ परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

मेष

आज आपको समझ आएगा कि हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखना ही असली ताकत है। काम में सहयोग भी मिलेगा और जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी, इसलिए मेहनत करनी पड़ेगी, लेकिन उसका अच्छा परिणाम भी मिलेगा। व्यापार में खासकर लोहे या निर्माण सामग्री से जुड़े काम करने वालों को लाभ मिल सकता है। अचानक बढ़ते खर्च बजट बिगाड़ सकते हैं, इसलिए संभलकर चलें। रिश्तों में गुस्से को हावी न होने दें। प्रेम जीवन में भावनात्मक सहारा मिलेगा, लेकिन बच्चों की सेहत और कफ से जुड़ी परेशानी को नजरअंदाज न करें।

वृषभ

आज का दिन घर-परिवार में सुकून और खुशियां लेकर आएगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा और अगर किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था, तो उसे दूर करने का यह सही समय है। ससुराल पक्ष से भी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। नौकरी में आपकी मेहनत की तारीफ होगी और सम्मान बढ़ेगा। आमदनी अच्छी रहेगी, लेकिन खर्च भी साथ-साथ चलते रहेंगे। खानपान में सावधानी रखें, खासकर यदि शुगर से जुड़ी परेशानी रहती है।

मिथुन

आज पुराने अधूरे काम पूरे होने से मन काफी हल्का महसूस करेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, हालांकि काम का दबाव थोड़ा मानसिक तनाव दे सकता है। परिवार में कोई अच्छी खबर माहौल को खुशनुमा बना देगी। जीवनसाथी और बच्चों का प्यार व सहयोग आपका हौसला बढ़ाएगा। मां की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है। सांस से जुड़ी परेशानी महसूस हो तो उसे टालने के बजाय समय रहते ध्यान दें।

कर्क

आज मन में कुछ उलझनें रह सकती हैं और कामकाज में चुनौतियां भी सामने आएंगी। हालांकि, धैर्य और समझदारी से आप परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर सकते हैं। सरकारी काम में रुकावट आने की संभावना है, इसलिए किसी प्रक्रिया में जल्दबाजी न करें। जीवनसाथी के साथ छोटी बात पर तकरार हो सकती है, इसलिए शांत रहना ही बेहतर होगा। मां की सेहत चिंता बढ़ा सकती है। यात्रा के योग हैं। सर्दी-जुकाम से बचें और मानसिक शांति बनाए रखने की कोशिश करें। प्रेम जीवन में कुछ राहत जरूर मिलेगी।

सिंह

आज आपका आत्मविश्वास और कामयाबी दोनों चमकेंगे। कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अधिकारी भी आपकी तारीफ कर सकते हैं। लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे और कारोबार में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। धातु से जुड़े व्यापार में विशेष फायदा हो सकता है। राजनीति या प्रभावशाली संपर्कों से भी लाभ मिलेगा। परिवार के बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा और जीवनसाथी के साथ खूबसूरत पल बिताएंगे। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती और स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी मिलेगा। ब्लड प्रेशर को लेकर सावधानी रखें।

कन्या

आज भाग्य आपका साथ देता नजर आएगा। सेहत में सुधार होने से आप खुद को पहले से ज्यादा ऊर्जावान महसूस करेंगे। नौकरी में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा और सम्मान भी बढ़ेगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में राहत मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों और विदेश से जुड़े कामों में भी सफलता मिल सकती है। भाई-बहनों के साथ रिश्तों में मधुरता आएगी और वैवाहिक जीवन भी सुखद रहेगा। हालांकि, गुस्से पर नियंत्रण रखें और नसों से जुड़ी किसी परेशानी को नजरअंदाज न करें।

तुला

आज सकारात्मक बदलाव आपके दिन को बेहतर बना सकते हैं। धन लाभ के अवसर मिलेंगे और काम भी अपेक्षाकृत आसानी से आगे बढ़ेगा। आपकी बातचीत करने की कला आज आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। पढ़ाई और करियर दोनों में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। किसी पुराने संपर्क से महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। वाहन या किसी सुख-सुविधा की वस्तु की प्राप्ति भी हो सकती है। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे और स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। सेहत भी आपका साथ देगी।

वृश्चिक

आज सफलता के साथ सम्मान भी मिलने के संकेत हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। लंबे समय से अटका पैसा वापस आने की भी संभावना है। दोस्तों और महिला सहकर्मियों से मिलने वाला सहयोग आपके काम को आसान बनाएगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा। प्रेम जीवन में रोमांस बना रहेगा, लेकिन शादीशुदा लोगों को गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान में सावधानी बरतें, खासकर यदि पाचन से जुड़ी परेशानी रहती है।

धनु

आज दिन अच्छा रहेगा, लेकिन आपका गुस्सा बनी-बनाई बात बिगाड़ सकता है। इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले थोड़ा रुकना आपके लिए फायदेमंद होगा। काम में आपकी प्लानिंग और मेहनत आपको आगे बढ़ाएगी। शिक्षा, अध्यापन या ज्ञान से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा रह सकता है। धन के साथ सम्मान भी मिलेगा। परिवार में तालमेल बना रहेगा और अच्छा भोजन आपका मूड और बेहतर कर देगा। कमर या पीठ में दर्द हो तो उसे नजरअंदाज न करें।

मकर

आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। धन लाभ के साथ कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। नौकरी में आपका प्रभाव और रुतबा बढ़ सकता है। पुराने अटके हुए पैसे की वापसी भी संभव है। दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे और किसी करीबी से मुलाकात मन को खुशी देगी। हालांकि, पिता की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। वैवाहिक जीवन में पुरानी बातों को बार-बार उठाने से बचें। मौसम के अनुसार अपनी दिनचर्या और खानपान का ध्यान रखना जरूरी है।

कुंभ

आज आपको कमाई और खर्च के बीच सही संतुलन बनाकर चलना होगा। सरकारी योजनाओं या सुविधाओं से लाभ मिल सकता है, लेकिन कानूनी मामलों में पूरी सावधानी बरतें। यात्रा के दौरान सतर्क रहना जरूरी है। किसी करीबी व्यक्ति के व्यवहार से मन थोड़ा उदास हो सकता है, लेकिन पुराने दोस्त से मुलाकात आपको सुकून देगी। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। वाहन या इलेक्ट्रॉनिक सामान पर अचानक खर्च आने की संभावना है। पेट और कफ से जुड़ी परेशानी से बचने के लिए खानपान पर ध्यान दें।

मीन

आज का दिन आपके लिए उत्साह और सकारात्मकता लेकर आएगा। कामकाज का माहौल अनुकूल रहेगा और आपके सम्मान में भी वृद्धि हो सकती है। किसी दोस्त की मदद से कोई जरूरी काम पूरा होगा। नया काम शुरू करने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन सकती हैं। पुराने अटके हुए धन की वापसी के संकेत हैं। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है। परिवार से सुख और सहयोग मिलेगा तथा धार्मिक या पुण्य कार्यों में मन लगेगा। हालांकि, अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और पेट से जुड़ी किसी परेशानी को समय रहते संभालें।

Aaj Ka Love Rashifal

मिथुन और कर्क राशि वालों को मिलेगा पार्टनर का साथ, रिश्ते होंगे मजबूत

Love Rashifal 21 August 2026: आज का दिन प्रेम और रिश्तों के मामले में कुछ राशियों के लिए रोमांस से भरा रहेगा, तो कुछ लोगों को रिश्तों में समझदारी से काम लेना होगा। जानें मेष से मीन तक सभी राशियों की लव लाइफ कैसी पूरी रहेगी।

Aaj Ka Love Rashifal 21 August 2026: ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर प्रेम संबंधों पर भी देखने को मिल सकता है। आज कुछ राशियों के रिश्तों में प्यार और नजदीकियां बढ़ेंगी, जबकि कुछ लोगों को पार्टनर की भावनाओं को समझने और बातचीत में संयम रखने की जरूरत होगी। वहीं, सिंगल लोगों के लिए भी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात या दिल की बात आगे बढ़ाने का मौका मिल सकता है। अगर आप भी जानना चाहते हैं कि आज आपके प्रेम जीवन में क्या बदलाव आएंगे, तो पढ़ें मेष से मीन तक सभी राशियों का आज का लव राशिफल।

Career Horoscope 2026

करियर के लिए लकी रहेंगे आने वाले चार महीने, इन राशि के लोग करेंगे तरक्की

Career Horoscope 2026: ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, आने वाले 4 महीनों में कुछ राशि वालों के करियर में बड़ा बदलाव आ सकता है। जातकों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के योग बनेंगे और कारोबार से जुड़ी इच्छाएं भी पूरी हो सकती हैं।

Career Horoscope 2026: वर्ष 2026 समाप्त होने में अब चार महीने बाकी हैं, जिसके बाद नए साल 2027 की शुरुआत होगी। हालांकि, नववर्ष के आगमन से पहले कई महत्वपूर्ण ग्रह गोचर होने वाले हैं, जिनका प्रभाव सभी 12 राशियों पर देखने को मिल सकता है। इस दौरान गुरु अपनी चाल में परिवर्तन करेंगे, वहीं राहु-केतु भी साल के अंत में महागोचर करते हुए कुछ राशियों पर अपना विशेष प्रभाव डालेंगे। इन ग्रहों के बदलाव का असर जातकों के करियर, नौकरी और कारोबार पर भी देखने को मिल सकता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, देवगुरु बृहस्पति का प्रभाव करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खोल सकता है और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के योग बना सकता है। वहीं, नौकरी और कारोबार से जुड़ी इच्छाएं भी पूरी हो सकती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि आने वाले चार महीने किन राशि वालों के लिए करियर के लिहाज से खास रह सकते हैं।

Chandra Grahan 2026

चंद्र ग्रहण के दिन राहु-चंद्रमा की युति, इन 3 राशियों को रहना होगा सतर्क

Chandra Grahan Remedies: रक्षा बंधन के दिन चंद्र ग्रहण लगने वाला है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस दौरान कुंभ राशि में चंद्रमा के साथ राहु की युति बनेगी जबकि इसके ठीक अगली राशि मीन में शनि देव स्थित रहेंगे।

Chandra Grahan Effects on Zodiac Signs: 28 अगस्त 2026 को रक्षा बंधन के दिन चंद्र ग्रहण लगने वाला है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस दौरान कुंभ राशि में चंद्रमा के साथ राहु की युति बनेगी, जबकि इसके ठीक अगली राशि मीन में शनि देव स्थित रहेंगे। ऐसे में चंद्रमा पर राहु और शनि, दोनों ग्रहों का प्रभाव पड़ने की स्थिति बनेगी। ज्योतिष में चंद्रमा को मन, भावनाओं और मानसिक स्थिति का कारक माना जाता है। वहीं राहु के प्रभाव से भ्रम और बेचैनी बढ़ सकती है, जबकि शनि भावनात्मक दबाव और कार्यों में देरी का संकेत देता है। ऐसे में कुछ राशियों को इस अवधि में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

Rahu Ketu Gochar: दिसंबर तक इन 3 राशि के लोगों पर रहेगी राहु-केतु की नजरें, उठाना पड़ सकता है नुकसान

Rahu Ketu Gochar In 2026 Kumbh And Singh: राहु और केतु साल के अंत में गोचर करेंगे। हालांकि, जबतक वह कुछ राशि वालों पर अपनी नजरें बनाकर रख सकते हैं। इससे जातकों को धन, यात्रा और सेहत से जुड़ी परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

Rahu Ketu Gochar In 2026 Kumbh And Singh: राहु और केतु ज्योतिष में बेहद प्रभावशाली ग्रह माने जाते हैं। हालांकि, इन्हें छाया ग्रह कहा जाता है। दोनों का स्वभाव अलग-अलग होने के कारण इनका प्रभाव भी जातकों के जीवन पर अलग-अलग रूपों में देखने को मिलता है। केतु जहां अध्यात्म और वैराग्य के कारक माने जाते हैं, वहीं राहु अचानक होने वाले बदलावों और अप्रत्याशित परिस्थितियों को दर्शाते हैं। वर्तमान में ये दोनों ग्रह शनि और सूर्य की राशि में विराजमान हैं। बता दें, राहु कुंभ में और केतु सिंह राशि में गोचर कर रहे हैं। अब साल के अंत में ये दोनों ग्रह अपनी उल्टी चाल से अगला गोचर करेंगे। तब तक कुछ राशि वालों पर इनका विशेष प्रभाव बना रह सकता है। ऐसे में जातकों को काम, रिश्तों, यात्रा और सेहत के मामलों में सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है। आइए जानते हैं किन राशियों को दिसंबर तक संभलकर रहने की जरूरत है।

Duleep Trophy: बीसीसीआई ने क्यों बदला दलीप ट्रॉफी के फाइनल का वेन्यू बंगलूरू से चेन्नई शिफ्ट करने की वजह?

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दर्शकों की संख्या को लेकर कुछ सीमाएं हैं। ऐसे में फाइनल को ऐसे मैदान में कराने का फैसला किया गया, जहां अधिक संख्या में प्रशंसक पहुंचकर मुकाबले का हिस्सा बन सकें।

देवजीत सैकिया, बीसीसीआई सचिव

बीसीसीीाई ने दलीप ट्रॉफी 2026-27 के फाइनल का वेन्यू बंगलूरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बदलकर चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम कर दिया है। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के फाइनल मुकाबले का आयोजन अब बंगलूरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में नहीं, बल्कि चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को फाइनल का वेन्यू बदलने का फैसला किया। टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला छह से 10 सितंबर के बीच खेला जाएगा। बीसीसीआई ने बताया कि फाइनल को चेन्नई शिफ्ट करने का मुख्य कारण ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को स्टेडियम में मुकाबला देखने का मौका देना है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दर्शकों की संख्या को लेकर कुछ प्रतिबंध हैं, जिसके चलते बोर्ड ने फाइनल के लिए बड़े और दर्शकों के अनुकूल वेन्यू का चयन किया है।

23 अगस्त से बंगलूरू में शुरू होंगे मुकाबले

दलीप ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले तय कार्यक्रम के अनुसार बंगलूरू स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ही खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 23 अगस्त से होगी। पहले दिन ईस्ट जोन का सामना नॉर्थ ईस्ट जोन से होगा, जबकि नॉर्थ जोन और वेस्ट जोन की टीमें भी आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि फाइनल को छोड़कर दलीप ट्रॉफी के बाकी मुकाबले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ही निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेले जाएंगे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि दलीप ट्रॉफी भारतीय घरेलू क्रिकेट कैलेंडर का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसका समृद्ध इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड चाहता है कि प्रशंसकों को इस प्रतिष्ठित प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के फाइनल को स्टेडियम में लाइव देखने का अवसर मिले। सैकिया के मुताबिक, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दर्शकों की संख्या को लेकर कुछ सीमाएं हैं। ऐसे में फाइनल को ऐसे मैदान में कराने का फैसला किया गया, जहां अधिक संख्या में प्रशंसक पहुंचकर मुकाबले का हिस्सा बन सकें।
बीसीसीआई ने दलीप ट्रॉफी के कवरेज को भी बढ़ाने का फैसला किया है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले लाइव स्ट्रीम किए जाएंगे।

WTC Table Update:

श्रीलंका पर जीत से भारत की स्थिति सुधरी कितना हुआ अंक प्रतिशत

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	टाई	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	9	7	2	0	0	84	77.78%
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	0	36	75.00%
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	0	52	72.22%
4	बांग्लादेश	5	3	1	1	0	40	66.67%
5	भारत	10	5	4	1	0	64	53.33%
6	श्रीलंका	5	1	2	2	0	20	33.33%
7	इंग्लैंड	13	4	8	1	0	38	24.36%
8	पाकिस्तान	6	2	4	0	0	16	22.22%

गॉल टेस्ट में श्रीलंका को हराकर भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाने के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में अपनी स्थिति भी बेहतर कर ली है। इस जीत से भारत का अंक प्रतिशत 48.15 से बढ़कर 53.33 हो गया है। अब टीम इंडिया के आठ टेस्ट बाकी हैं और फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए हर जीत बेहद अहम होगी। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत ने भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2025-27 की अंक तालिका में बड़ी राहत दी है। मुकाबले से पहले पांचवें स्थान पर मौजूद टीम इंडिया ने जीत के साथ अपने खाते में 12 अंक जोड़े और अब उसके कुल 64 अंक हो गए हैं। इसके साथ ही भारत का अंक प्रतिशत (PCT) 48.15 से बढ़कर 53.33 प्रतिशत हो गया है। भारत ने इसी के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में श्रीलंका पर 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

- ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका के सामने 372 रन का लक्ष्य रखा था। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया और 206 रन पर समेट दिया। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली है। गॉल टेस्ट में भारत की बल्लेबाजी की नींव देवदत्त पडिक्कल के शानदार 167 रन ने रखी। इसके बाद दूसरी पारी में भी भारतीय बल्लेबाजों ने जरूरी योगदान दिया। गेंदबाजी में स्पिनरों ने श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा और टीम इंडिया ने मुकाबले को अपने नाम किया। गॉल टेस्ट के बाद भारत 10 मैचों में पांच जीत, चार हार और एक ड्रॉ के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके खाते में 64 अंक हैं और अंक प्रतिशत 53.33 प्रतिशत है।
- ऑस्ट्रेलिया 77.78 अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर मौजूद है। दक्षिण अफ्रीका 75 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे और न्यूजीलैंड 72.22 अंक प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है।

ODI World Cup 2027

वनडे विश्वकप को लेकर हरभजन की कोच गंभीर को खास सलाह

4-5 महीने पहले ही ऐसा कर लेने को कहा

वनडे विश्व कप 2027 में अब करीब एक साल का वक्त है, लेकिन टीम इंडिया को लेकर मंथन अभी से तेज है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोच गौतम गंभीर को खास सलाह देते हुए टीम को विश्व कप से चार-पांच महीने पहले तक तय करने की बात कही है। सवाल है कि गंभीर कब तक प्रयोग जारी रखेंगे? वनडे विश्वकप 2027 को आने में अभी लगभग एक साल का वक्त बचा है। हालांकि, सभी टीमें इसकी तैयारियों में जुट गई हैं। कुछ टीमें लगातार प्रयोग कर रही हैं, वहीं कुछ टीमों की नजर अपने कोर खिलाड़ियों को लगातार मौका देने पर है। इसी कड़ी में भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि गंभीर को अभी जितने प्रयोग करने हैं कर लें, लेकिन विश्वकप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले टीम तय करना होगा और उन्हें पता होना चाहिए कि कौन से 15 खिलाड़ी विश्वकप खेलने जा रहे हैं।

भज्जी ने गंभीर को क्या दी सलाह?

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में हरभजन ने कहा, 'भारतीय टीम में कई विकल्प हैं और उनमें से किसी एक को चुनना बेहद मुश्किल है। लेकिन गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम को कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्हें उन वेन्यू और कंडीशन का पता करना होगा, जिनमें भारत 2027 वनडे विश्वकप खेलने जा रहा है। गंभीर को फिर उसी के मुताबिक टीम बनानी होगी। एक साल का समय पर्याप्त समय है। मेरा मानना है कि विश्व कप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले तक टीम तय हो जानी चाहिए। उन्हें कई चीजों को ध्यान में रखना होगा और अभी से प्रयोग करने होंगे, ताकि उन खिलाड़ियों की पहचान की जा सके जो टूर्नामेंट के दौरान भारत के लिए अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा सकें।'

टीम में कई विकल्प होना अच्छा सिरदर्द'

हरभजन ने कहा, 'भारत के पास कई विकल्प हैं। जब आपके पास कई विकल्प होते हैं तो यह एक अच्छा सिरदर्द है।

हरभजन ने समझाया कोहली और धोनी की कप्तानी में अंतर

गंभीर पर कहा- वह दिल के अच्छे लोगों को सच पसंद नहीं

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी के बीच अंतर बताते हुए कहा कि कोहली ने टीम की सोच बदल दी। उन्होंने फिटनेस और फील्डिंग में कोहली के योगदान को भी अहम बताया। वहीं, गौतम गंभीर का बचाव करते हुए हरभजन ने कहा कि वह दिल के अच्छे हैं और सच बोलते हैं। भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली और एमएस धोनी की कप्तानी के अंदाज में क्या फर्क था और मौजूदा कोच गौतम गंभीर को लेकर लोगों की राय क्यों अलग है? पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने दोनों मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कोहली की कप्तानी की सबसे बड़ी खासियत बताते हुए गंभीर का भी बचाव किया और कहा कि वह दिल के अच्छे इंसान हैं, लेकिन लोगों को उनका सच बोलना पसंद नहीं आता। हरभजन ने 2010-11 के ऑस्ट्रेलिया दौरे का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय कोहली ने रन बनाने के साथ-साथ टीम की सोच पर भी असर डालना शुरू कर दिया था। उनके मुताबिक, धोनी की कप्तानी में जहां कई बार मुश्किल लक्ष्य को हासिल करना लगभग असंभव माना जाता था, वहीं कोहली का रवैया था कि लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, उसे हासिल करने की कोशिश जरूर की जानी चाहिए। हरभजन ने कहा, 'विराट ने जो सबसे सरल बदलाव किया, वह मानसिकता का था। टेस्ट के पांचवें दिन कई बार ऐसी स्थिति आती थी जब हमें लगता था

AFG vs IRE ODI: दो शतक 231 रन की साझेदारी और बना ऐतिहासिक स्कोर आयरिश गेंदबाजों पर हावी हुए अफगानी बल्लेबाज

अटल और जादरान के शतकों का धमाल
अफगानिस्तान ने बनाया वनडे का सबसे बड़ा स्कोर

सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 343/9 का स्कोर बनाया। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि अटल-जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ चौथे वनडे मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 343 रन बनाए। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 339 रन था, जो उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था।
अटल-जादरान ने संभाली पारीटॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने पारी को संभालते हुए आयरिश गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों में 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की ओर से दूसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है

आखिरी ओवरों में लड़खड़ाई अफगानिस्तान की टीम

अटल और जादरान के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी थोड़ी धीमी पड़ गई। दरविश रसूली ने 14 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई 12 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रहमत शाह सिर्फ 2 रन बना सके। राशिद खान ने 10 गेंदों में 11 रन बनाए, जबकि हशमतुल्लाह शाहिदी 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गजनफर खाता नहीं खोल सके। अफगानिस्तान ने आखिरी दो ओवरों में तीन विकेट गंवाए, जिसके कारण टीम 350 रन का आंकड़ा पार करने से चूक गई। आयरलैंड की ओर से बायरन मैकडोनो ने तीन विकेट लिए, जबकि मार्क रिचर्ड एडायर और गेविन होए को दो-दो सफलता मिली। 339 रन का रिकॉर्ड टूटा
अफगानिस्तान के 343 रन के साथ ही टीम ने अपना पिछला वनडे रिकॉर्ड तोड़ दिया। उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाए 339/6 के स्कोर को पीछे छोड़ते हुए वनडे क्रिकेट में अपना नया सर्वोच्च स्कोर बनाया। अटल और जादरान की शतकीय पारियों ने इस ऐतिहासिक स्कोर की नींव रखी। इब्राहिम जादरान ने शानदार लय में बल्लेबाजी करते हुए 118 गेंदों में 107 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं, सेदिकुल्लाह अटल ने इससे भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 120 गेंदों में 143 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी पारी में 17 चौके और चार छक्के लगाए। अटल और जादरान की यह साझेदारी 50 ओवर के प्रारूप में अफगानिस्तान की किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इसके अलावा, यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में केवल चौथा मौका जब एक ही मैच में टीम के दो बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक निर्भय कुमार सेंगर के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन, विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास, रामघाट रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300